माघ कृष्ण पक्ष -13, 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 193 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म।प्र।/4-474/2024-26

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

भोपाल
16 जनवरी 2026 शुक्रवार

आज का मौसम
23.9 अधिकतम
6.0 न्यूनतम

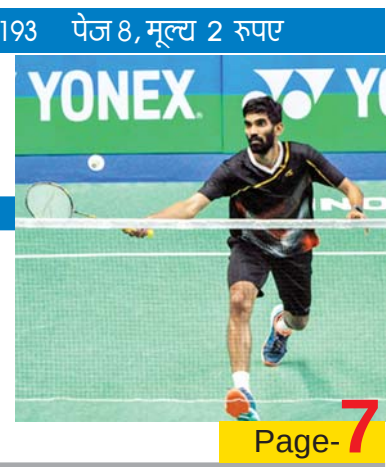

Page-7

न्यूज विंडो

ईरान से भारतीयों को लेकर आएगी आज पहली फ्लाइट

नईदिल्ली। ईरान और अमेरिका के बीच जंग की आशंकाओं के चलते भारत भी अलर्ट है। भारत के तेहरान स्थित दूतावास ने सभी भारतीयों से अपील की है कि वे किसी भी हाल में ईरान से बाहर निकल जाएं। इस बीच ईरान से भारतीयों को लेकर पहली फ्लाइट दिल्ली आने वाली है। शुक्रवार यह विमान दिल्ली आएगा, जिसमें 300 लोग सवार होंगे। अमेरिका की ओर से ईरान पर हवाई हमले होने का खतरा है और इसी के चलते भारतीय दूतावास ने अपील की है कि यहां से लोग निकल जाएं। बता दें कि तेहरान ने अस्थायी तौर पर कमर्शल फ्लाइट्स के लिए अपने एयरस्पेस को बंद कर दिया था।

कंस्ट्रक्शन कंपनियों पर आयकर विभाग की कार्रवाई

इंदौर। आयकर विभाग की टीमों ने आज सुबह इंदौर में कई कंस्ट्रक्शन कंपनियों के ठिकानों पर जांच करने पहुंची। इसमें प्रकाश एस्फाल्टिंग एंड टोल हाईवे प्राइवेट लिमिटेड, आयुष अजय कंस्ट्रक्शन, पीडी अग्रवाल इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड और बी आर गोयल इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड के 20 परिसरों की तलाशी चल रही है। विभाग ने इन फर्मों के व्यावसायिक परिसरों से आपत्तिजनक दस्तावेज जब्त किए थे और कर्मचारियों से पूछताछ की थी।

बर्फीली हवा का असर, प्रदेश में 4.6 डिग्री तक गिरा पारा

भोपाल में तापमान 6°

नईदिल्ली/भोपाल। उत्तर भारत में जारी कड़ाके की ठंड का सीधा असर अब प्रदेश में दिखाई देने लगा है। बर्फीली हवाओं के चलते प्रदेश में न्यूनतम तापमान तेजी से गिरा है और कई इलाके ठिठुरन की चपेट में हैं। राजधानी भोपाल में पिछले तीन दिनों में तापमान में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। यहां न्यूनतम तापमान 6 डिग्री पहुंच गया। वहीं बीती रात शहडोल के कल्याणपुर में तापमान 4.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जबकि चार शहरों में 5 डिग्री रहा। शाजापुर में शीतलहर ने ठंड का अहसास और तीखा कर दिया। आज सुबह प्रदेश के उत्तरी हिस्सों में कोहरे ने दृश्यता कम कर दी। मौसम विभाग के मुताबिक, ग्वालियर-चंबल, शहडोल और सागर संभाग सबसे ज्यादा प्रभावित हैं।

कार पर कूदी नीलगाय बच्ची की चली गई जान

गुना। कैंट थानाक्षेत्र के तहत नेशनल हाईवे 46 पर दो खंबा के पास बीती रात एक चलती कार के सामने अचानक एक नीलगाय आ गई। कूदते हुए नीलगाय कार के कांच के पर जा गिरी, जिससे कांच फूट गया और नीलगाय के पैर कार में सवार मासूम के सिर पर जा लगे, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। जबकि उसके माता-पिता गंभीर रूप से घायल हो गए। गुना निवासी सोनू जाट अपनी पत्नी और मासूम बेटी तान्या के साथ मगरदा गांव जा रहे थे। शाम पौने सात बजे जैसे ही उनकी कार हाईवे पर दो खंबा के पास पहुंची तो सड़क किनारे से अचानक एक नीलगाय कूदते हुए आ गई और कांच पर आ गिरी। इससे गाय के दोनों पैर से कांच फूट गया और उसके दोनों पैर कार में अपनी मां की गोद में सवार तान्या के सिर पर जा लगे। इससे सिर में गंभीर चोट लगने से तान्या की मौत हो गई।

आज का कार्टून

फ्रॉड पर शिकंजा... सुप्रीम कोर्ट में गृह मंत्रालय की स्टेटस रिपोर्ट दाखिल

डिजिटल अरेस्ट से ठगी पर बैंक और मोबाइल कंपनी भी होंगे जिम्मेदार

नईदिल्ली, एजेंसी

डिजिटल अरेस्ट कर लोगो से ठगी के मामलों में बैंकों और टेलिकॉम कंपनियों की जिम्मेदारी तय की जाएगी। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर बनी गृह मंत्रालय की कमेटी ने कोर्ट से कहा है कि अगर बैंकों या टेलिकॉम कंपनियों की लापरवाही के कारण पीड़ित का नुकसान हुआ तो उन्हें जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। डिजिटल अरेस्ट रोकने के लिए सिम लेने के नियम कड़े करने पर भी विचार हो रहा है। सुप्रीम कोर्ट में गृह मंत्रालय ने स्टेटस रिपोर्ट दाखिल की है। इसमें कहा गया है कि यह कमिटी गृह मंत्रालय में विशेष सचिव (आंतरिक सुरक्षा) की अध्यक्षता में काम करेगी। बैठक में कमेटी ने पीड़ित मुआवजे से संबंधित एमिकस की सिफारिशों पर भी विचार किया। यह भी देखा गया कि पीड़ितों को सिस्टम फेल्योर या अन्य कारणों से नुकसान नहीं उठाना चाहिए। कमिटी के अध्यक्ष ने मुआवजे के मौजूदा तंत्र की समीक्षा कर उसमें सुधार और बदलाव सुझाने का निर्देश दिया। गृह मंत्रालय ने समिति को आगे विचार-विमर्श कर सुझाव देने के लिए सुप्रीम कोर्ट से एक महीने का समय मांगा है।

तय सीमा के बाद सीबीआई जांच

कोर्ट को बताया गया कि कमिटी की बैठक हर दो सप्ताह में होगी और अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणि भी शामिल होंगे। गृह मंत्रालय की ओर से सुप्रीम कोर्ट में दाखिल रिपोर्ट के अनुसार, कमेटी की पहली बैठक 29 दिसंबर को हुई थी। इसमें CBI ने डिजिटल अरेस्ट के मामलों के लिए एक ठगी की रकम (थ्रेशहोल्ड) निर्धारित करने का सुझाव दिया। इस सीमा से ऊपर के मामलों की जांच CBI कर सकती है। इससे नीचे के मामलों को राज्य की एजेंसियां, गृह मंत्रालय की सहायता से देख सकती है।

सिम कार्ड फर्जीवाड़े पर शिकंजा

बैठक में रिजर्व बैंक ऑफ़ इंडिया ने बताया कि फ्रॉड का पता लगाने के लिए बैंकों को एआई-बेस्ड उपकरणों के उपयोग संबंधी परामर्श जारी किया गया है। संदिग्ध लेनदेन में शामिल खातों को फीज करने के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (SOP) को अंतिम रूप दिया जा रहा है। दूरसंचार अधिनियम, 2023 के तहत ड्राफ्ट रूल तैयार है और वे हित धारकों से परामर्श के चरण में है। अधिसूचित होने के बाद ये नियम सिम कार्ड जारी करने मे लापरवाही, एक शख्स को कई सिम जारी करने जैसी समस्याओं को एड्रेस करेगा। भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र ने बताया कि तत्काल फीजिंग, डी-फीजिंग, धन वसूली और पीड़ितों को राशि लौटाने से संबंधित एसओपी विचाराधीन है। राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल और 1930 हेल्पलाइन के पुनर्गठन पर भी विचार हो रहा है।

सांसद के करीबी पर केस

रतलाम में एमडी ड्रग फैक्ट्री का भंडाफोड़

दिलावर खान पठान

रतलाम। जावरा के ग्राम चिकलाना में एमडी ड्रग बनाने की अवैध फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया गया है। पुलिस ने गुरुवार-शुक्रवार देर रात मस्जिद के पीछे स्थित एक मकान पर रात करीब एक बजे छापा मारकर यह बड़ी कार्रवाई की। उक्त मकान दिलावर खां का बताया जा रहा है, जहां बीते लगभग एक वर्ष से अवैध गतिविधियां संचालित की जा रही थीं। दिलावर खान विधानसभा का चुनाव लड़ चुका है और नगीना से सांसद है। चंद्रशेखर का करीबी बताया जाता है। पुलिस ने पूरे इलाके को छावनी बनाया हुआ है। पुलिस कार्रवाई के दौरान मौके से करीब पांच किलो एमडी ड्रग, केमिकल से भरे कई ड्रम, एमडी निर्माण में प्रयुक्त उपकरणों के साथ-साथ हथियार भी मिलने की जानकारी सामने आई है।

साइबर फ्रॉड! मां-बेटे ने 4200 खाते खोलकर उड़ाए करोड़ों रु.

बेंगलुरु। यहां एक 22 साल के युवक ने अपनी मां के साथ मिलकर 4,200 अकाउंट खोले और इनके जरिए करोड़ों रुपये की ठगी की। पुलिस ने इस मामले में मोहम्मद उजैफ नाम के युवक और उसकी मां सबाना अब्दुल बारी को हिरासत में लिया है। मां और बेटे की जोड़ी सरकारी अस्पताल और कॉलेज में जाकर बैंक अकाउंट खुलवाने के लिए 2,000 से 5,000 रुपये तक दिए। इसके बदले वे लोगों की पासबुक, डेबिट कार्ड और चेकबुक ले जाते थे।

जले हुए नोट मिलने का मामला... जस्टिस वर्मा को सुप्रीम कोर्ट से झटका

महाभियोग को लेकर जारी रहेगी भ्रष्टाचार की जांच

नई दिल्ली. एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के जज जस्टिस यशवंत वर्मा को बड़ा झटका दिया है। शीर्ष अदालत ने अधजली नकदी मामले में महाभियोग प्रस्ताव पर उनके खिलाफ आरोपों की जांच कर रहे संसदीय पैनल के खिलाफ उनकी याचिका खारिज कर दी है। इस याचिका में उन्होंने लोकसभा स्पीकर द्वारा उनके खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच के लिए बनाई गई संसदीय समिति की वैधता को चुनौती दी थी।

जस्टिस वर्मा ने समिति के गठन पर यह कहते हुए सवाल उठाया था कि उन्हें हटाने का प्रस्ताव राज्यसभा के उपसभापति ने खारिज कर दिया था। जस्टिस दीपांकर दत्ता

और जस्टिस एससी शर्मा की बेंच ने 8 जनवरी, 2026 को इस याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। अब कोर्ट ने इस अर्जी को खारिज कर दिया है, जिससे संसदीय समिति को आगे बढ़ने की इजाजत मिल गई है। 16 दिसंबर को सुप्रीम कोर्ट ने जस्टिस वर्मा की दायर याचिका पर सुनवाई करने का फैसला किया था। इस याचिका में लोकसभा स्पीकर के उस कदम को चुनौती दी गई थी जिसमें उन्होंने 'एकतरफा' तरीके से उनके खिलाफ जांच के लिए एक कमेटी बनाई थी। सीनियर एडवोकेट मुकुल रोहतगी ने कोर्ट में जस्टिस वर्मा का प्रतिनिधित्व करते हुए कहा था कि 1968 के एक्ट की धारा 3 (2) के तहत कमेटी का गठन कानून द्वारा समान रूप से व्यवहार किए जाने और सुरक्षा पाने के उनके अधिकार का उल्लंघन करता है। उन्होंने तर्क दिया कि हालांकि संसद के दोनों सदनों में उसी दिन हटाने के प्रस्ताव के नोटिस दिए गए थे, लेकिन स्पीकर ने एकतरफा तरीके से कमेटी का गठन किया। पिछली सुनवाई पर यानी 8 जनवरी को अदालत ने इस पर फैसला सुरक्षित रख लिया था।

आईपीएस सर्विस मीट के उद्घाटन अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को स्मृति चिन्ह भेंट करते पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना।

महाराष्ट्र में निकाय चुनाव की गिनती जारी... मुंबई-नागपुर में बीजेपी आगे

मुंबई, एजेंसी

महाराष्ट्र की 29 नगर निगम के लिए सुबह 10 बजे से काउंटिंग जारी है। 893 वार्डों में कुल 15,931 उम्मीदवार मैदान में हैं। सभी निगमों में सबसे अहम बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) है। शुरुआती रुझानों में यहां भाजपा गठबंधन आगे है। नागपुर, पुणे, नासिक, ठाणे में भी भाजपा गठबंधन को बढ़त है। कोल्हापुर में पहले कांग्रेस को बढ़त मिली थी, लेकिन अब बीजेपी बड़े अंतर से आगे चल रही है। संभाजीनगर में भी बीजेपी आगे चल रही है। लातूर में कांग्रेस को बढ़त है। आज महाराष्ट्र महानगरपालिका की महापरीक्षा के नतीजे का दिन है। अभी तक मिले रुझानों के मुताबिक, बीएमसी में बीजेपी-शिवसेना गठबंधन सबसे आगे है, जबकि उद्धव और

राज की जोड़ी भी जोर लगाए हुए है। वहीं, बीएमसी चुनावों में पहली आधिकारिक जीत कांग्रेस की आशा दीपक काले ने दर्ज की है और वार्ड नंबर 183 से अपना चुनाव जीत लिया है। माना जा रहा है कि महाराष्ट्र महानगरपालिका चुनावों के नतीजे आने वाले दिनों में सूबे का सियासी भविष्य तय करेंगे।

नितिन नबीन 19 को भरेंगे अध्यक्ष पद का नामांकन

नईदिल्ली। भारतीय जनता पार्टी को 20 जनवरी को नया अध्यक्ष मिल सकता है। पार्टी ने आज अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। 19 जनवरी को अध्यक्ष पद हेतु नामांकन दाखिल किए जाएंगे, और यदि आवश्यक हुआ तो मंगलवार 20 जनवरी को चुनाव होगा। हालांकि, संभावना इसी बात की ज्यादा है कि वर्तमान कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन इकलौते उम्मीदवार के तौर पर अपना नामांकन दाखिल करेंगे। इस तरह 19 जनवरी को ही वे पार्टी के अगले अध्यक्ष बन जाएंगे। हालांकि, इसकी औपचारिक घोषणा 20 जनवरी को की जा सकती है।

माखन नगर में आयोजित हुआ कार्यक्रम

लाड़ली बहनों को मिली 32वीं किश्त, 1836 करोड़ ट्रांसफर

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज नर्मदापुरम जिले के माखन नगर (बाबई) में आयोजित लाड़ली बहना योजना के राज्य स्तरीय सम्मेलन में प्रदेश की लाड़ली बहनों के खातों में योजना की 32वीं किश्त ट्रांसफर कर रहे है। इस अवसर पर एक करोड़ 25 लाख 31 हजार से अधिक पात्र महिलाओं को 1836 करोड़ रुपये मिलेंगे।

सम्मेलन के दौरान मुख्यमंत्री 29 लाख महिलाओं को गैस सिलेंडर रीफिलिंग सहायता के रूप में 90 करोड़ रुपये से अधिक की राशि भी ट्रांसफर करेंगे। इसके साथ ही विभिन्न विकास कार्यों का भूमि-पूजन और लोकार्पण भी किया जाएगा। मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की शुरुआत जून 2023 में की गई थी। योजना के अंतर्गत नवंबर 2025 से मासिक सहायता राशि में 250 रुपये की वृद्धि की गई, जिसके बाद अब पात्र हितग्राही महिलाओं को 1,500 रुपये प्रतिमाह की आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। लाड़ली बहना योजना ने प्रदेश की महिलाओं को आर्थिक सुरक्षा, आत्मनिर्भरता और सामाजिक सम्मान प्रदान किया है। आगामी समय में योजना से जुड़ी महिलाओं को रोजगार, स्वरोजगार और कौशल उन्नयन कार्यक्रमों से जोड़ने के लिए विशेष प्रयास किए जाएंगे, जिससे वे और अधिक सशक्त बन सकें।

पंचायत सम्मेलन : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज ही राज्य स्तरीय पंचायत सचिव सम्मेलन में हिस्सा ले रहे हैं। इसका उद्देश्य ग्रामीण प्रशासन को सशक्त बनाना है। सरकार चाहती है कि गांव-गांव तक विकास योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए पंचायत सचिवों को तैयार किया जाए।

मेट्रो एंकर | **आखिर मिल ही गया मैडल... अमेरिकी राष्ट्रपति को मनाने की राजनीतिक चाल**

वेनेजुएला की मचाडो ने अपने विरोधी ट्रंप को दिया 'शांति का नोबेल'

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी

वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया कोरिना मचाडो ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से व्हाइट हाउस में मुलाकात के दौरान अपना नोबेल शांति पुरस्कार उन्हें सौंप दिया। उनके इस कदम ने अंतरराष्ट्रीय राजनीति में नई हलचल पैदा कर दी है। पत्रकारों से बात करते हुए मचाडो ने कहा कि उन्होंने यह मेडल अमेरिका के राष्ट्रपति को 'वेनेजुएला की आजादी के लिए उनके विशेष योगदान' के सम्मान में दिया। हालांकि, उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि ट्रंप ने मेडल स्वीकार किया या नहीं। इस सवाल पर मचाडो ने कोई सीधा जवाब देने से बचते हुए सिर्फ

इतना कहा कि यह एक 'प्रतीकात्मक और ऐतिहासिक क्षण' था। समाचार एजेंसी सीएनएन ने व्हाइट हाउस से जुड़े एक सूत्र के हवाले से बताया कि मचाडो अपना नोबेल शांति पुरस्कार का मेडल व्हाइट हाउस में ही छोड़ गई हैं। सूत्रों के मुताबिक यह मेडल फिलहाल अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पास है और व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने पुष्टि की है कि ट्रंप इसे अपने पास रखे हुए हैं। ट्रंप लंबे समय से इस पुरस्कार को पाने की इच्छा जाहिर करते रहे हैं। हालांकि नोबेल पुरस्कार समिति पहले ही साफ कर चुकी है कि यह सम्मान न तो साझा किया जा सकता है और न ही किसी को ट्रांसफर किया जा सकता है। मचाडो गुरुवार को व्हाइट हाउस पहुंचीं थींजहां उन्हें कड़ी सुरक्षा के बीच अंदर ले जाया गया। सफेद सूट में नजर आईं मचाडो की यह यात्रा इसलिए भी खास रही क्योंकि यह ट्रंप के साथ उनकी दुर्लभ उच्चस्तरीय मुलाकातों में से एक थी। अधिकारियों के मुताबिक, दोनों नेताओं के बीच क्लोज-डोर लंच मीटिंग हुई, लेकिन बातचीत के एजेंडे और नतीजों पर कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई। मचाडो के इस कदम को वेनेजुएला संकट में अमेरिका की भूमिका को वैध ठहराने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है।

नाराजगी की वजह था अवार्ड

जनवरी में आई एक रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप मचाडो से इसलिए नाराज थे क्योंकि उन्होंने 2025 में मिला नोबेल शांति पुरस्कार स्वीकार कर लिया था। हाल के दिनों में ट्रंप ने सार्वजनिक तौर पर मचाडो की नेतृत्व क्षमता पर सवाल उठाए हैं। वेनेजुएला के पूर्व राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की गिरफ्तारी के बाद ट्रंप ने मचाडो से दूरी बनाते हुए कहा था कि उनके लिए देश का नेतृत्व करना 'काफी मुश्किल' होगा, क्योंकि उनके पास 'पर्याप्त समर्थन और सम्मान नहीं है। ऐसे में नोबेल मेडल सौंपने की यह घटना सिर्फ एक सम्मान नहीं, बल्कि ट्रंप को मनाने और अमेरिकी समर्थन मजबूत करने की एक सोची-समझी राजनीतिक चाल के रूप में देखी जा रही है।

शिवाजी नगर क्षेत्र की पहचान बदलेगी

पांच नंबर स्टॉप पर हाईराइज कॉम्प्लेक्स का टेंडर जारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भोपाल के पांच नंबर स्टॉप स्थित 50 साल पुराने रविशंकर शुक्ल (आरएसएस) मार्केट की जगह अब 650 करोड़ रुपये की लागत से 20 मंजिला हाईराइज कॉम्प्लेक्स विकसित किया जाना है। मध्य प्रदेश री-डेवलपमेंट पॉलिसी-2023 के तहत चयनित इस पहले प्रोजेक्ट पर मध्य प्रदेश हाउसिंग बोर्ड निवेश करेगा। जर्जर हो चुके मार्केट परिसर को तोड़कर यहां आधुनिक मिक्स्ड-यूज कॉम्प्लेक्स बनाया जाएगा।

हाउसिंग बोर्ड ने प्रोजेक्ट के लिए 7 जनवरी को टेंडर जारी कर दिया है। निर्माण कार्य एक से दो माह में शुरू होने की संभावना है।

हालांकि, नगर निगम से बिल्डिंग परमिशन मिलने में देरी के कारण प्रक्रिया प्रभावित हो रही है। बोर्ड का कहना है कि एजेंसी नियुक्त होने के बाद प्रोजेक्ट को 42 महीनों में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

प्रोजेक्ट की प्रमुख विशेषताएं

- आठ टावर, प्रत्येक 20 मंजिला
- लग्जरी रेसिडेंशियल फ्लैट्स और आधुनिक मार्केट
- स्विमिंग पूल, योगा-मेडिटेशन सेंटर और बच्चों के लिए प्ले एरिया
- रहवासियों और ग्राहकों के लिए अलग-अलग पार्किंग व्यवस्था
- भूकंप रोधी आरसीसी स्ट्रक्चर
- शहर के प्रमुख व्यावसायिक क्षेत्रों से बेहतर कनेक्टिविटी

कमर्शियल हब के रूप में होगा विकास

मार्केट की 65 पुरानी दुकानों को खाली कराने की प्रक्रिया जारी है। दुकानदारों के लिए मार्केट के सामने अस्थायी शेड में दुकानें तैयार की गई हैं। भविष्य में यहां 125 नई दुकानें बनेंगी। हाउसिंग बोर्ड के अनुसार यह क्षेत्र एमपी नगर और न्यू मार्केट की तर्ज पर एक प्रमुख कमर्शियल हब के रूप में विकसित होगा।

डिजाइन में हुआ आंतरिक बदलाव

प्रोजेक्ट के आंतरिक डिजाइन में बदलाव किया है। पहले प्रस्तावित 5-बीएचके फ्लैट्स की जगह अब 1-बीएचके से 4-बीएचके तक के लग्जरी फ्लैट्स बनाए जाएंगे। 2800 से 3000 वर्गफीट क्षेत्रफल वाले इन फ्लैट्स में चार बालकनी और आधुनिक सुविधाएं होंगी। 380 फ्लैट्स में से 165 पुराने आवंटियों को दिए जाएंगे, जबकि 215 फ्लैट्स नए खरीदारों के लिए उपलब्ध होंगे।

पोंगल उत्सव : चार इस दिवसीय पोंगल फूड फेस्ट

केले के पत्तों पर परोसे जा रहे व्यंजन, पारंपरिक वेशभूषा दिला रही तमिलनाडु के गांवों की याद

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

पोंगल पर्व का उत्साह पलाश रेसीडेंसी के अमराई प्रांगण में पूरे रंग और स्वाद के दिखा। चार दिन के पोंगल फूड फेस्ट ने भोपालवासियों को एक ही जगह दक्षिण भारत का संपूर्ण पारंपरिक अनुभव दे दिया। केले के पत्तों पर परोसे जा रहे अस्सल व्यंजन, स्वागत में लगाया तिलक और पारंपरिक वेशभूषा ने मेहमानों को सीधे तमिलनाडु के गांवों की याद दिला दी। पोंगल के इस उत्सव के लिए पलाश रेसीडेंसी को खास तौर पर फूलों, रंगोली और केले के पत्तों से सजाया गया है। वहीं मेहमानों के स्वागत में करुम्बु सारु यानी गन्ने का रस और नारियल पानी परोसा जा रहा है। फेस्ट में तमिलनाडु की विलेज थीम पर बना सेल्फी प्वाइंट सबसे बड़ा आकर्षण बना हुआ है। जहां परिवार और बच्चे जमकर फोटो खिंचवा रहे हैं। इसके साथ ही फेस्ट में कांजीवरम सहित दक्षिण भारतीय हस्तशिल्प साड़ियों और मिलेट्स का भी दर्शक खूब लुफ्त उठा रहे हैं। बड़ी थाली में सक्करै पोंगल, वेन पोंगल, पुली सदम, पाल पायसम, मसाला वड़ा, झंगरी से आगे 27 से भी अधिक व्यंजनों की पंगत देखने को मिल रही है। इस बार फूड लवर्स की डिमांड पर सदर्न स्पाइसेस कैफे से फेस्ट को बड़े रूप में अमराई परिसर में शिफ्ट किया गया है। कोयंबटूर और केरल से मंगाए गए मसालों और कॉफी बीन्स से व्यंजन तैयार हो रहे हैं। शेफ भी दक्षिण भारत से आए हैं, ताकि असली स्वाद बरकरार रहे। पलाश के मैनेजर विपिन कटारे ने बताया कि पहले ही दिन फूडलवर्स की भीड़ उत्साहवर्धक रही। फूड के साथ संस्कृति का तड़का भी खूब लगा है। कलांजलि संस्था द्वारा 17 छात्राओं ने दो समूहों में पारंपरिक भरतनाट्यम नृत्य की प्रस्तुति दी। संस्था के निदेशक प्रदीप कृष्णन ने बताया कि आगामी तीन दिनों भी रोज़ाना तमिल लोकनृत्य और लोकसंगीत की प्रस्तुतियां भी होंगी।

एसआईआर मतदाता सूची से वंचितों को देंगे नोटिस

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

एसआईआर मतदाता सूची से वंचित मतदाताओं का नोटिस का कार्य निरंतर जारी है, जिससे मतदाता वंचित रहे मतदाताओं के नाम जुड़ सके, इसके लिए निवार्चन कार्यालय के आदेश पर प्रत्येक वार्ड में एक राजस्व कर्मचारी पदस्थ किया गया है जो मतदाताओं से दस्तावेज लेकर नाम जोड़ने का कार्य कर रहे हैं। एसआईआर का काम 14 दिसंबर के बाद बंद कर दिया था। स्क्रूटनी के बाद वंचित 116925 पाए गए। जो जन्म से संबंधित वेध दस्तावेज जमा नहीं कर सके थे उनमें से 89043 मतदाताओं को नोटिस जारी किए जा चुके हैं जो 27882 नाम बचे उनको भी नोटिस देने प्रक्रिया चल रही है।

चार दिन बाद भी नहीं सुधर सकी पाइप लाइन, हंगामा

सप्लाई होते ही गंदा पानी आने लगा

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पानी पीने से कई लोगों की जान जा चुकी हैं। ऐसे में भोपाल में भी पानी की पाइप लाइन को ढूंढा जा रहा है। साथ ही सैंपल लेकर टेस्टिंग की जा रही है। इसी बीच गुरुवार को ब्लू मून कॉलोनी में गंदे पानी को लेकर हंगामा हो गया। यहां पर चार दिन बाद भी पाइप लाइन में कोई सुधार नहीं हुआ था। जैसे ही पानी की सप्लाई शुरू हुई, लाइन से गंदा पानी आने लगा।

ब्लू मून कॉलोनी में ही चार दिन पहले कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी भी पहुंचे थे। जिन्होंने वीडियो कॉल के जरिए नगर निगम कमिश्नर, कलेक्टर सहित अन्य अधिकारियों से तत्काल सुधार की मांग की थी। कांग्रेस नेता मनोज शुक्ला ने गुरुवार को कॉलोनी के लोगों के साथ पानी की सप्लाई शुरू होने का इंतजार किया। शाम को जब नल चालू हुए तो लोगों ने लाइव टेलीकास्ट कर सोशल मीडिया पर तस्वीर वायरल कर दी। नगर निगम की वाटर सप्लाई शुरू होते ही बेहद गंदा पानी पाइप लाइन ने उगलना शुरू कर दिया। इस पानी की तस्वीर

वायरल करते हुए कांग्रेस ने सवाल किया है कि क्या नगर निगम आयुक्त एवं कलेक्टर इस पानी का इस्तेमाल अपने परिवार के साथ करना चाहेंगे? स्थानीय लोग नगर निगम को प्रॉपर्टी टैक्स, वाटर टैक्स सहित अन्य सभी शुल्क जमा करते हैं। बावजूद उन्हें स्वच्छ पानी पीने का अधिकार तक उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है। शुक्ला ने आरोप लगाया है कि इंदौर की भागीरथपुरा की घटना सामने आने के बावजूद स्थानीय प्रशासन किसी प्रकार का कोई कदम नहीं उठा रहा है। जिसके चलते स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। शुक्ला ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो नगर निगम आयुक्त कार्यालय का घेराव किया जाएगा। प्रदर्शन के दौरान महेश मेहरा, दीपक दीवान, अमित खत्री, अलीमुद्दीन बिल्ले, इरशाद अली, बाबर खान, शाबिद खान आदि मौजूद थे।

असहनीय दर्द से राहत, मरीज की अंगुली कटने से बची

एम्स में दुर्लभ ट्यूमर की जटिल सर्जरी

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

असहनीय दर्द से पीड़ित एक मरीज ने बीते वर्षों में देश के विभिन्न अस्पतालों में इलाज कराया, जहां नर्व टेस्ट, इमेजिंग जांच, दर्द निवारक उपचार व सर्जरी तक की गई, लेकिन दर्द का वास्तविक कारण सामने नहीं आ सका और पीड़ा लगातार बनी रही। दर्द इतना असहनीय था कि मरीज अंगुली कटवाने के लिए एम्स भोपाल पहुंचा। वह 13 साल से हाथ की एक अंगुली के सिरे पर असहनीय दर्द से पीड़ित था। एम्स में की गई जटिल सर्जरी से उसे असहनीय दर्द से राहत मिली, वहीं उसकी अंगुली कटने से बच गई। सर्जरी के तुरंत बाद मरीज को दर्द से पूरी राहत मिली। अंगुली को काटने की जरुरत

नहीं पड़ी और हाथ की सामान्य कार्यक्षमता भी पूरी तरह बहाल हो गई। एम्स के बर्न एवं प्लास्टिक सर्जरी विभाग में विस्तृत क्लिनिकल परीक्षण के दौरान एडिशनल प्रोफेसर डॉ. गौरव चतुर्वेदी ने एक दुर्लभ ग्लोमस ट्यूमर की आशंका जताई। समग्र परीक्षण के उपरांत सर्जरी की योजना बनाई गई। सर्जरी के दौरान अंगुली के पल्प हिस्से में मौजूद मात्र एक मिलीमीटर आकार का ट्यूमर निकाला गया।

देश-विदेश के कलाकार दिखाएंगे महाभारत युद्ध

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

महाभारत पर आधारित देश का सबसे बड़ा सांस्कृतिक आयोजन भारत भवन में 16 से 24 जनवरी तक होने जा रहा है. समागम वर्तमान की युद्धकालीन परिस्थितियों में शांति सौहार्द और मानवता का संदेश देने के उद्देश्य से आयोजित किया गया है। आयोजन में महाभारत युद्ध की कथा को आधुनिक स्वरूप में नृत्य नाटक संगीत और फिल्मों के माध्यम से प्रस्तुत किया जाएगा। इसके साथ ही कार्यक्रम में देश और विदेश में बनी महाभारत और युद्ध थीम पर आधारित फिल्मों का प्रदर्शन होगा। इसके साथ ही समागम में देशभर के नाट्य दल अपनी प्रस्तुति देंगे। जिसमें इंडोनेशिया, श्रीलंका, जापान सहित देश के कई अलग अलग राज्यों दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु और मणिपुर जैसे राज्यों के कलाकारों द्वारा मनोभावन प्रस्तुति शामिल है। कार्यक्रम की प्रस्तुतियां शाम 5 बजे से शुरू होंगी। शाम 6 बजे से नाट्य की प्रस्तुति होगी।

किराएदार और नौकर की पूरी जानकारी पुलिस को दें

पुलिस आयुक्त ने जारी किए आदेश

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

कोई भी मकान मालिक जो अपना मकान या उसका कोई भाग किराये पर देते है, तो वह ऐसा करने के एक सप्ताह के भीतर किरायेदार व पेइंगगेस्ट का विवरण निर्धारित प्रारूप में भरकर संबंधित थाने पर या मप्र पुलिस सिटिज़न पोर्टल पर आवश्यक रूप से देंगे। पूर्व से रह रहे किरायेदार या नौकर का विवरण भी निर्धारित प्रारूप में भरकर यह आदेश जारी होने की से 15 दिवस के भीतर में संबंधित थाने पर या पोर्टल पर आवश्यक रूप से दर्ज करें। यह आदेश पुलिस आयुक्त हरिनारायण चारी मिश्र ने नागरिक सुरक्षा को लेकर जारी किए हैं। आदेशानुसार किसी भी व्यक्ति का घरेलू नौकर या उनका सहायक का विवरण निर्धारित प्रारूप में आवश्यक रूप से संबंधित थाने पर या संबंधित पोर्टल पर देना होगा। इसके अलावा स्पा सेंटर, मसाज सेंटर, ब्यूटी पार्लर पर कार्य करने वाले व्यक्तियों की जानकारी विहित प्रारूप में थाने पर दी जाये उनका आईडी प्रूफ भी आवश्यक लें। प्राईवेट सुरक्षा एजेंसी के लिए नियुक्त किए गए गार्ड अथवा अपने स्तर पर नियुक्त किए गए गार्ड की जानकारी विहित प्रारूप में थाने पर दी जाये साथ ही उनका आईडी प्रूफ भी आवश्यक रूप से लिया जाए। वहीं होटल, लॉज, धर्मशाला, रिसोर्ट के प्रबंधक, मालिक उनके यहां ठहरने वाले व्यक्तियों का व्यक्तिगत विवरण पूर्ण रूप से रजिस्ट्रर में दर्ज करेंगें।

भारतीय खेल प्राधिकरण
SPORTS AUTHORITY OF INDIA
भारत सरकार/GOVERNMENT OF INDIA
खेल विभाग/DEPARTMENT OF SPORTS
(An Autonomous Body under Ministry of Youth Affairs and Sports)
(युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त निकाय)
(Human Resources Division - II)
(मानव संसाधन प्रभाग - II)

जे.एन. स्टेडियम परिसर, पूर्व द्वार सं.10,
लोदी रोड, सी.जी.ओ. कॉम्प्लेक्स, नईदिल्ली-110003
J N Stadium Complex, East Gate. No. 10,
Lodhi Road, CGO Complex, New Delhi-110003

फा. सं. 01-04006/24/2025- एचओ-कार्मिक प्रभाग दिनांक : 09-01-2026

भारतीय खेल प्राधिकरण में भर्ती-प्राचार्य

भारतीय खेल प्राधिकरण (SAI), जो कि युवा कार्य एवं खेल मंत्रालय के अधीन एक स्वायत्त निकाय है, प्राचार्य के 01 पद के लिए आवेदन आमंत्रित करता है। यह पद शैक्षणिक वेतन स्तर-14, रुपए 1,44,200-2,18,200 (पीबी-4 रुपये 37,400-67,000+रुपये 10,000/-ग्रेड पे) में है, जिसके साथ रुपये 3,000 प्रति माह का विशेष भत्ता देय होगा। नियुक्ति नियमित आधार पर 05 वर्षों की अवधि के लिए या अधिवार्षिक आयु पूर्ण होने तक, जो भी पहले हो (यूजीसी दिशानिर्देश 2018 के अनुसार), की जाएगी। यह पद SAI लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय, करियावट्टम, तिरुवनंतपुरम के लिए है। पात्र अधिकारी निर्धारित प्रपत्र में आवेदन, आवश्यक दस्तावेजों के साथ, उप निदेशक (मानव संसाधन प्रभाग-II), कक्ष संख्या 211, भारतीय खेल प्राधिकरण, मुख्यालय, गेट संख्या 10 (पूर्वी गेट), जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम, लोधी रोड, नई दिल्ली-110003 को भेज सकते हैं। आवेदन डाक द्वारा हार्ड कॉपी के माध्यम से अथवा ई-मेल द्वारा recruitment.cell.sai@gov.in पर निम्नलिखित विषय पंक्ति के साथ भेजे जा सकते हैं: "SAI में प्राचार्य पद हेतु आवेदन " आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि 09-02-2026 को सायं 05.00 बजे तक है।

विस्तृत विज्ञापन, पात्रता मानदंड, प्रपत्र (प्रोफार्मा) एवं निर्देश SAI की वेबसाइट (www.sportsauthorityofindia.nic.in) पर उपलब्ध होंगे।

cbc 47103/12/0017/2526

मेट्रो एंकर

क्लब लिटराटी के 'एक लाइव इंटरैक्टिव' सत्र का आयोजन

राष्ट्रवाद व राजनीतिक आदर्शवाद में छिपी जटिलताओं पर चर्चा

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

एक शाम जिसमें इतिहास ने कल्पना का हाथ पकड़ा और साहित्य ने सवालों की नई दुनिया में पहुंचाया. यह अवसर था क्लब लिटराटी द्वारा आयोजित एक लाइव इंटरैक्टिव सत्र का। सत्र में ऑस्ट्रेलियाई उपन्यासकार इनेज बराने ने अपने चर्चित उपन्यास सोल क्लाइमेट पर विचार साझा किए। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सीमा रायजादा ने किया। बराने ने उपन्यास के जन्म की कहानी से चर्चा की शुरुआत की। उन्होंने बताया कि सोल क्लाइमेट की प्रेरणा प्रसिद्ध तुर्क लेखिका हालिदे एदिब की 1935 में हुई भारत यात्रा से मिली। बराने ने इस ऐतिहासिक यात्रा को दोबारा पढ़ा और शोध को कल्पना के साथ जोड़ते हुए एक ऐसी रचना तैयार की जो कई कालखंडों और संस्कृतियों के बीच संवाद स्थापित करती है। सत्र में राष्ट्रवाद, आस्था, फेमिनिज्म और राजनीतिक आदर्शवाद में छिपी नैतिक जटिलताओं पर

बातचीत हुई। बराने ने माना कि विभिन्न सांस्कृतिक और ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर लिखना चुनौतीपूर्ण है क्योंकि हर समाज की संवेदनाओं को समझना जरूरी होता है। उन्होंने कहा कि कुछ प्रश्नों का समाधान साहित्य नहीं देता, बल्कि पाठक को सोचने पर मजबूर करता है।सत्र का समापन इस विचार के साथ हुआ कि सोल क्लाइमेट किसी निष्कर्ष का दावा नहीं करता बल्कि एक ऐसी यात्रा है जो पाठक को सोचने और महसूस करने की आजादी देती है। सोल क्लाइमेट युवा महिलाओं की पहचान विश्वास और स्वायत्तता जैसे मुद्दों को केंद्र में रखता है। बराने ने बताया कि उनकी कोशिश इन पात्रों को किसी निश्चित दिशा में ले जाने की नहीं, बल्कि उनके भीतर के संघर्ष को दिखाने की है। उन्होंने अस्पष्टता नैतिक उलझनों और आधिकारिक इतिहासों की सीमाओं पर खुलकर चर्चा की।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नई दिल्ली में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण एवं उर्वरक मंत्री जेपी नड्डा से उनके कार्यालय में सौजन्य भेंट की। इस दौरान उन्होंने नड्डा को पुष्प-गुच्छ एवं भगवान वेंकटेश्वर तिरुपति महाराज की प्रतिकृति भेंट की।

एक्सपोर्ट प्रिपेयर्डनेस इंडेक्स में सूबे की उपलब्धि

नीति आयोग की EPI-2024 रैंकिंग में टॉप-10 में पहुंचा प्रदेश

भोपाल, दोपहर मेट्रो

नीति आयोग द्वारा जारी निर्यात तत्परता सूचकांक 2024 में मध्यप्रदेश ने उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है। प्रदेश ने देश के 17 बड़े राज्यों में 9वां स्थान हासिल करते हुए खुद को टॉप-10 राज्यों में शामिल किया है। 57 अंकों के साथ मध्यप्रदेश 'चैलेंजर' श्रेणी में शामिल हुआ और इस श्रेणी में पहला स्थान प्राप्त किया।

नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार चैलेंजर श्रेणी में शामिल राज्यों हरियाणा, केरल और पश्चिम बंगाल को पीछे छोड़ते हुए मध्यप्रदेश ने शीर्ष स्थान प्राप्त किया है। हरियाणा को 55.01, केरल को 53.76 और पश्चिम बंगाल को 53.03 अंक मिले, जबकि मध्यप्रदेश ने 57 अंक हासिल किए। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह सफलता राज्य की निर्यात-अनुकूल नीतियों, व्यापार सुगमता में सुधार और उद्योग प्रोत्साहन

प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने कहा कि सरकार निर्यात को आर्थिक विकास का प्रमुख आधार मानते हुए कार्य कर रही है और आने वाले वर्षों में प्रदेश को 'लीडर' श्रेणी में लाने का लक्ष्य है।

70 संकेतकों पर हुआ मूल्यांकन

इपीआई -2024 में राज्यों का मूल्यांकन चार प्रमुख स्तंभों निर्यात अवसंरचना, व्यापार पारिस्थितिकी तंत्र, नीति एवं शासन और निर्यात प्रदर्शन—के अंतर्गत 70 संकेतकों के आधार पर किया गया। इन सभी क्षेत्रों में मध्यप्रदेश ने संतुलित और निरंतर सुधार दर्ज किया है। प्रदेश के निर्यात में बीते वर्षों में सतत वृद्धि हुई है। वित्तीय वर्ष 2020-21 में जहां निर्यात 47,959 करोड़ रुपये था, वहीं 2024-25 में यह बढ़कर 66,218 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है।

ओडीओपी और निर्यात का बेहतर तालमेल

राज्य सरकार 'एक जिला-एक उत्पाद' योजना को निर्यात से जोड़ने पर विशेष ध्यान दे रही है। इसके तहत किसानों, कारीगरों और उद्यमियों को वैश्विक बाजार से जोड़ने के लिए कार्यशालाएं और एक्सेलरेटर कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। प्रदेश सरकार लॉजिस्टिक्स सुधार, MSME निर्यात एकीकरण और जिला स्तर पर निर्यात संवर्धन को मजबूत करने की दिशा में काम कर रही है, जिससे मध्यप्रदेश को राष्ट्रीय और वैश्विक निर्यात मानचित्र पर और सशक्त बनाया जा सके।

राहुल गांधी कल आएंगे इंदौर

भागीरथपुरा में मृतकों के परिजनों से करेंगे मुलाकात

इंदौर, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी की पहल पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी शनिवार को को इंदौर दौरे पर आ रहे हैं। वे भागीरथपुरा पहुंचकर दूषित पानी से जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों से मुलाकात करेंगे।

राहुल गांधी चाचा नेहरू हॉस्पिटल में जाकर आईसीयू में भर्ती गंभीर मरीजों से मुलाकात करेंगे। इसके बाद वह लाभगंगा के कार्यक्रम में शामिल होंगे। हालांकि राहुल गांधी के कार्यक्रमों को लेकर जिला प्रशासन ने सिर्फ 3 घंटे की अनुमति ही दी है। इसलिए राहुल गांधी के लाभगंगा में होने वाले कार्यक्रम को लेकर अभी कुछ निश्चित नहीं है। हालांकि कांग्रेस सूत्रों का कहना है की कार्यक्रम को लेकर कांग्रेस ने लाभगंगा में बुकिंग कर दी है और पैसे भी जमा करा दिए हैं। इंदौर में राहुल गांधी के कार्यक्रम के लिए तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी बुधवार को राघौगढ़ से इंदौर पहुंच चुके हैं और लगातार तैयारियों का जायजा ले रहे हैं।

इंदौर में होने वाले कार्यक्रम की जिम्मेदारी शोभा ओझा को सौंपी गई है। कार्यक्रम में इंदौर के करीब 200 प्रबुद्धजनों को भी आमंत्रित किया जा रहा है। राहुल गांधी भागीरथपुरा में किन-किन परिवारों से मिलेंगे और वहां से कहां जाएंगे, इसकी सूची तैयार की जा रही है।

13 परिवार चिन्हित, 5 से करेंगे मुलाकात

शहर कांग्रेस अध्यक्ष चिंटू चौकसे और जिला कांग्रेस अध्यक्ष विपिन वानखेड़े भागीरथपुरा पहुंचकर पीड़ित परिवारों से मुलाकात कर चुके हैं। कांग्रेस नेताओं ने कुल 13 परिवारों के घर चिन्हित किए हैं, जिनमें से राहुल गांधी पांच परिवारों से मुलाकात करेंगे। इन पांच परिवारों की सूची बुधवार शाम तक तय हो जाएगी। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी से मिली जानकारी के अनुसार, बुधवार को कांग्रेसी पार्षदों से मुलाकात और भागीरथपुरा से जुड़े पूरे कार्यक्रम को अंतिम रूप दे दिया जाएगा। खास बात यह है कि राहुल गांधी का इंदौर में किसी प्रकार का औपचारिक स्वागत-सत्कार नहीं किया जाएगा।

पार्षदों संग पानी पर बात

राहुल गांधी पार्षदों संग पानी पर भी बात करेंगे। एक्सपर्ट की टीम पानी पर राहुल की मौजूदगी में पार्षदों को ट्रेनिंग देगी। गंदे पानी के मामले में कांग्रेस मोहन सरकार की घेराबंदी करना चाह रही है। वहीं जिन नेताओं का नाम राहुल से मिलने वालों की सूची में नहीं है, उन्हें अपने जिले में 17 अप्रैल को उपवास पर बैठना है। उन नेताओं को इंदौर नहीं आने को कहा गया है।

सिंहस्थ की तैयारी

घाटों के थ्री-डी वीडियो से दिया जाएगा 60 हजार पुलिसकर्मियों को प्रशिक्षण

भोपाल। श्रद्धालु उज्जैन में शिप्रा नदी में स्नान करने के लिए उतरता है तो लगभग कितने मिनट में उसे बाहर आ जाना चाहिए। नहीं निकलने पर क्या करना है। बाहर क्यों नहीं आया। इस तरह का प्रशिक्षण पहली बार उज्जैन में वर्ष 2028 में होने जा रहे सिंहस्थ में तैनात होने वाले पुलिसकर्मियों को दिया जाएगा। इसका कारण यह कि नदी के दोनों ओर मिलाकर पहली बार 22 किमी लंबे घाटों में स्नान की सुविधा रहेगी। थ्री-डी तकनीक से घाटों का वीडियो बनाकर पुलिसकर्मियों को प्रशिक्षित किया जाएगा।

वर्चुअल तरीके से स्थल दिखाए जाएंगे जिससे क्षेत्र में जब पुलिसकर्मी पहुंचें तो उन्हें भौगोलिक स्थितियों के बारे में पता हो। इस बार प्रशिक्षण में दूसरा सबसे अधिक ध्यान पुलिसकर्मियों का श्रद्धालुओं के प्रति व्यवहार पर रहेगा। एक से दो दिन के प्रशिक्षण में उन्हें यही सिखाया जाना है कि व्यवस्था के लिए टोकना जरूरी है, पर व्यवहार बहुत अच्छा रखना है। सिंहस्थ में सुरक्षा व्यवस्था में लगभग 60 हजार पुलिसकर्मी मध्य प्रदेश के और 20 हजार अर्द्धसैनिक बल व दूसरे राज्यों की पुलिस रहेगी। सिंहस्थ के लिए पुलिस मुख्यालय ने माड्यूल तैयार कर लिया है। इसमें प्रयागराज महाकुंभ में हुए नवाचारों और तकनीकों के उपयोग को भी शामिल किया गया है। इसके अतिरिक्त भीड़ प्रबंधन, इंटरनेट मीडिया में फैलने वाले अफवाहों को रोकने, आग की घटनाएं सहित अन्य विषयों के बारे में बताया जाएगा।

इको पर्यटन क्षेत्र गिदली घुघरा में अनुभूति कार्यक्रम

विद्यार्थियों ने प्रकृति से सीखा जीवन का पाठ

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश इको टूरिज्म विकास बोर्ड एवं मध्यप्रदेश वन विभाग के संयुक्त तत्वाधान में पश्चिम (सामा.) वनमंडल मंडला अंतर्गत वन परिक्षेत्र बम्हनी के इको-पर्यटन क्षेत्र गिदली घुघरा में अनुभूति कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया, जिसकी थीम मैं भी बाघ,हम हैं बदलाव और हम हैं धरती के दूत÷ रही। वन एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने के लिये शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को प्रकृति, वन एवं जैव विविधता के प्रति जागरूक करना तथा पर्यावरण संरक्षण की भावना विकसित करना रहा। कार्यक्रम में शासकीय सांदीपनि विद्यालय चिरईडोंगरी के

कुल 135 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। मास्टर ट्रेनर सी.एम. शर्मा, प्रशिक्षु आईएफएस आकाश साहू तथा वन परिक्षेत्र बम्हनी का समस्त स्टॉफ उपस्थित रहा। कार्यक्रम के दौरान प्रकृति पथ भ्रमण के माध्यम से विद्यार्थियों को वन क्षेत्र में पाए जाने वाले विभिन्न वृक्षों, वनस्पतियों एवं औषधीय महत्व की जड़ी-बूटियों की पहचान कराई गई तथा उनके उपयोग और महत्व की जानकारी भी दी गई। इसके साथ वनक्षेत्र में विचरण करने वाले वन्य-जीवों जैसे बाघ, तेंदुआ, सांभर और चीतल के अप्रत्यक्ष साक्ष्यों के माध्यम से वन्य-प्राणियों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी साझा की गई।

ईरान बना रणभूमि

ईरान आज केवल एक देश नहीं रहा, बल्कि वह अंतरराष्ट्रीय राजनीति के उस अखाड़े में बदलता जा रहा है, जहां महाशक्तियां अपने-अपने हितों के दांव खेल रही हैं। आमतौर पर किसी वैश्विक संकट पर हमारी राय स्पष्ट होती है- या तो समर्थन में या विरोध में। लेकिन ईरान का मसला ऐसा है, जहां स्पष्टता से अधिक दुविधा है, खासकर भारत जैसे संतुलन साधने वाले देश के लिए। इतिहास पर नजर डालें तो शाह के शासन से लेकर इस्लामिक गणराज्य तक, भारत और ईरान के रिश्ते अपेक्षाकृत सौहार्दपूर्ण रहे हैं। केवल कूटनीतिक स्तर पर ही नहीं, बल्कि जनता के बीच भी सांस्कृतिक और भावनात्मक संबंध गहरे रहे हैं। इसके बावजूद मौजूदा हालात भारतीय दृष्टिकोण को उलझन में डालते हैं। एक लोकतांत्रिक समाज के नागरिक होने के नाते हमारी स्वाभाविक सहानुभूति उन ईरानी नागरिकों के साथ है जो आजादी, अधिकार और खुली अभिव्यक्ति की मांग कर रहे हैं। यह भी सच्चाई है कि वर्तमान सत्ता ने विरोध की आवाजों को कठोरता से दबाया है। लेकिन यही वह बिंदु है, जहां सवाल उठता है- क्या यह संघर्ष पूरी तरह जनता और सत्ता के बीच का है, या इसके पीछे अमेरिकी रणनीति भी सक्रिय है? अमेरिका के बयान, संदेश और संकेत इस संदेह को और गहरा करते हैं। सत्ता परिवर्तन की स्थिति में सबसे बड़ा प्रश्न यह होगा कि नया नेतृत्व ईरान को किस दिशा में ले जाएगा। क्या भारत के साथ पारंपरिक मित्रता बनी रहेगी या फिर ईरान की विदेश नीति पूरी तरह पश्चिमी प्रभाव में चली जाएगी? यदि मौजूदा शासन गिरता है तो ईरानी जनता को प्रतिबंधों से राहत मिल सकती है, लेकिन इसके साथ ही देश की आंतरिक स्थिरता भी खतरे में पड़ सकती है। जिन संगठनों को वर्षों तक ईरान का संरक्षण मिला है, उनके रुख को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। वे हालात को और विस्फोटक बना सकते हैं। वहीं, ईरान की भौगोलिक और सामाजिक संरचना ऐसी है कि किसी भी विदेशी सैन्य हस्तक्षेप का सफल होना आसान नहीं है। अमेरिका भी शायद अफगानिस्तान जैसी रणनीतिक भूल दोहराने से बचेगा। चीन का स्पष्ट संदेश है कि वह किसी देश के आंतरिक मामलों में दखल के खिलाफ है, जबकि रूस खुलकर ईरान के साथ खड़ा दिखाई देता है। दोनों देशों के आर्थिक और रणनीतिक हित वहां गहराई से जुड़े हैं। ऐसे में यह मान लेना कि सत्ता परिवर्तन के बाद सब कुछ अमेरिका के पक्ष में चला जाएगा, एक सरलीकृत सोच होगी। भारत के लिए चुनौती यह नहीं कि वह किसके साथ खड़ा हो, बल्कि यह है कि वह कैसे अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करते हुए संतुलन बनाए रखे। न अंधा भरोसा अमेरिका पर किया जा सकता है, न चीन पर।

दुल्हनें और दूल्हे... बदलते समाज में उपयुक्त जीवन साथी की तलाश का बढ़ता संकट

देवेंद्र कुमार बुडाकोटी
स्तंभकार

पिछले कुछ वर्षों में उत्तराखंड में माता-पिता और सोशल मीडिया पर होने वाली चर्चाओं में दुल्हन खोजने की कठिनाई बार-बार सामने आई है। एक आम चिंता उपयुक्त लड़के की तलाश को लेकर है—जिसका अर्थ अक्सर सरकारी नौकरी और, संभव हो तो, मैदानी इलाकों में संपत्ति से लगाया जाता है। माता-पिता के दृष्टिकोण से यह उनकी बेटियों के लिए दीर्घकालिक सुरक्षा की इच्छा को दर्शाता है, जो अनिश्चित समय में एक प्रकार का सामाजिक बीमा मानी जाती है। लेकिन जिस पहलू पर कम ध्यान दिया जाता है, वह यह है कि क्या ऐसे मानदंड भावनात्मक सुख सुनिश्चित करते हैं या महिलाओं को असमान अथवा विषाक्त वैवाहिक संबंधों से बचा पाते हैं।

आज यह चिंता केवल एक पक्ष तक सीमित नहीं रही है। अब परिवार योग्य लड़के के लिए उपयुक्त लड़की न मिलने की बात भी करने लगे हैं। स्थिति यहाँ तक पहुँच गई है कि समग्र रूप से उपयुक्त जीवनसाथी खोजने का ही संकट दिखाई देने लगा है।

उत्तराखंड से पलायन, जिसकी शुरुआत 1960 के दशक के अंत में हुई और जो हाल के दशकों में तेज हुआ, ने विवाह के स्वरूप को गहराई से प्रभावित किया है। जाति और समुदाय से बाहर विवाह अब पहले की तुलना में कहीं अधिक सामान्य हो गए हैं। कुछ लोग मानते हैं कि प्रेम विवाह इसलिए बढ़े क्योंकि माता-पिता सही समय और स्थान पर उपयुक्त रिश्ता नहीं ढूंढ पाए—हालाँकि अरेंज्ड मैरिज अब भी प्रमुख व्यवस्था बनी हुई है।

मेरी माँ ने मेरे पिता को पहली बार मंडप में देखा था। उनसे बस इतना कहा गया कि उनकी शादी उनसे होगी न कोई सवाल, न कोई बातचीत। वे ससुराल यह जानते हुए गईं कि उनसे क्या अपेक्षित है- पानी लाना, लकड़ी और चारा इकट्ठा करना, खाना बनाना, कपड़े धोना—यानी वही काम जो वे मायके में करती थीं। बाद के वर्षों में सास-बहू के परिचित तनाव और संयुक्त परिवार के टकराव चलते रहे, जो तब जाकर समाप्त हुए जब परिवार गाँव से कस्बे की ओर पलायन कर गया और एकल परिवार में बदल गया।

उस समय से बहुत कुछ बदल चुका है। आज की बहू प्रायः शिक्षित होती है, कई बार नौकरीपेशा भी, लेकिन फिर भी उससे घर की जिम्मेदारियाँ निभाने की अपेक्षा की जाती है। तकनीकी प्रगति ने दूरदराज़ के गाँवों तक पहुँच बना ली है, जिससे महिलाओं का शारीरिक श्रम काफी कम हुआ है। ग्रामीण घरों में अब नल का पानी, शौचालय, गैस, आधुनिक रसोई उपकरण, वॉशिंग मशीन, दोपहिया वाहन, और बेहतर सड़क, बिजली व परिवहन सुविधाएँ आम हो गई हैं। फिर भी शहरी चमक-दमक—उसके अवसर, जीवनशैली और मनोरंजन—युवाओं को लगातार आकर्षित करते हैं। उत्तराखंड के पहाड़ी इलाकों में स्वास्थ्य और शिक्षा की अपर्याप्त सुविधाएँ आज भी पलायन को बढ़ावा देती हैं और गाँव से बाहर विवाह को प्रोत्साहित करती हैं। विडंबना यह है कि कस्बों में बस चुके कई परिवार अब घर में पहाड़ी बोली नहीं बोलते, फिर भी वे जाति और समुदाय के भीतर ही दुल्हन खोजने पर ज़ोर देते हैं। यह एक अहम प्रश्न खड़ा करता है- देसी लड़की या लड़के से जुड़ी असुरक्षा आखिर है क्या? आज के भव्य और दिखावटी विवाह समारोहों को देखें तो स्पष्ट होता है कि सांस्कृतिक क्षरण पहले ही काफी आगे बढ़ चुका है। राज्य के बाहर या विदेश में होने वाले अधिकांश विवाह न केवल जाति और समुदाय से बाहर हैं, बल्कि प्रायः प्रेम विवाह भी हैं।

लिंग भूमिकाएँ और ज़िम्मेदारियाँ वर्षों के साथ धीरे-धीरे धुंधली होती जा रही हैं और घरेलू कामकाज अब नौकरानियों द्वारा किया जाने लगा है। कई कामकाजी दंपतियों के घरों में तो खाना बनाना भी बाहर से मंगवाया जाता है। इन सभी बदलावों के बावजूद परिवारों के भीतर अब भी अंतर्धाराएँ और उथल-पुथल बनी रहती हैं। पारिवारिक शक्ति-समीकरण में कोई विशेष परिवर्तन नहीं आया है और अब इसमें अतिरिक्त खिलाड़ियों के रूप में ससुराल पक्ष तथा उनके परिवार के सदस्य भी शामिल हो गए हैं, जिससे निर्णय-निर्माण की मंडली और व्यापक हो गई है। इसी बीच युवा पीढ़ी का एक हिस्सा विवाह संस्था पर ही सवाल उठाने लगा है। कुछ लोग एंटी-नेटलिज़्म जैसी अवधारणाओं से जुड़ रहे हैं—जिसका मानना है कि चिंता, भय और पीड़ा से भरी दुनिया में बच्चों को जन्म नहीं देना चाहिए। जो विचार कभी भारतीय समाज में अकल्पनीय थे, वे अब खुली बहस का हिस्सा बन रहे हैं।

उपयुक्त जीवनसाथी खोजने की यह जटिलता भारतीय माता-पिता में गहरी चिंता पैदा कर रही है। क्या भारत को पश्चिम की ओर देखना चाहिए, जहाँ माता-पिता बच्चों के विवाह, करियर, पारिवारिक जीवन, तलाक़ और यौनिकता से काफी हद तक अलग रहते हैं?

भारत में माता-पिता इसलिए चिंतित होते हैं क्योंकि यहाँ परिवार सामाजिक जीवन का केंद्र है। विवाह परिवारों और रिश्तेदारी के नेटवर्क को जोड़ता है और सांस्कृतिक निरंतरता बनाए रखता है। विवाह, परिवार व्यवस्था, रिश्तेदारी, भाषा, परंपराएँ और अनुष्ठान लंबे समय से भारतीय समाज को बाँधे हुए हैं। इसलिए मौजूदा संकट केवल दुल्हन-दूल्हे का नहीं है—यह तेज़ी से बदलते समाज में निरंतरता और परिवर्तन के बीच संतुलन साधने की गहरी चुनौती को दर्शाता है।

बचत और खर्च का असंतुलन, नए भारत के लिए दीर्घकालीन स्थिरता को महत्व देना जरूरी

ललित गर्ग
स्तंभकार

महामारी के बाद की दुनिया केवल स्वास्थ्य के स्तर पर ही नहीं, बल्कि आर्थिक सोच और व्यवहार में भी एक बड़े संक्रमण से गुज़री है। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं की अस्थिरता, भू-राजनीतिक तनाव, बढ़ती महंगाई, तकनीक-आधारित बाजार और उपभोक्तावादी संस्कृति के तीव्र प्रसार ने लोगों की खर्च करने की प्रवृत्ति को असाधारण रूप से बढ़ा दिया है। इस बदलाव का सबसे गहरा असर घरेलू बचत पर पड़ा है। भारत सहित अनेक देशों में घरेलू बचत दरें ऐतिहासिक रूप से निचले स्तर पर पहुंच चुकी हैं। उपभोग बढ़ रहा है, लेकिन भविष्य की सुरक्षा के लिए आवश्यक बचत निरंतर घटती जा रही है। यह स्थिति केवल आर्थिक नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक चिंता का विषय भी बनती जा रही है। भारत जैसी उभरती अर्थव्यवस्था के लिए घरेलू बचत सदैव विकास की रीढ़ रही है। बुनियादी ढांचे से लेकर औद्योगिक निवेश तक, भारत की विकास गाथा में घरेलू बचत की भूमिका निर्णायक रही है। परंतु आज स्थिति यह है कि विशेषकर युवा पीढ़ी में बचत की दर 10 से 15 प्रतिशत तक सिमट गई है। यह आंकड़ा किसी भी उभरती अर्थव्यवस्था के लिए संतोषजनक नहीं कहा जा सकता। जब भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है, तब बचत और खर्च के बीच असंतुलन एक गंभीर चेतावनी के रूप में सामने आ रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में युवाओं की भूमिका को हमेशा निर्णायक माना है और वे बार-बार यह संदेश देते रहे हैं कि बचत केवल व्यक्तिगत सुरक्षा नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की नींव है। उनके अनुसार उपभोग से पहले बचत की संस्कृति युवाओं में आत्मनिर्भरता, अनुशासन और दीर्घकालिक सोच का विकास करती है। जन-धन योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, अटल पेंशन योजना, डिजिटल बचत और निवेश के माध्यमों को प्रोत्साहित करते हुए उन्होंने यह स्पष्ट किया है कि छोटे-छोटे नियमित निवेश भविष्य की बड़ी आर्थिक शक्ति बनते हैं। मोदी का विचार है कि जब युवा वर्ग आज अनावश्यक खर्च से बचकर बचत और उत्पादक निवेश की ओर अग्रसर होगा, तभी भारत की अर्थव्यवस्था स्थिर, समावेशी और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बन सकेगी; क्योंकि आत्मनिर्भर युवा ही सशक्त भारत की सबसे बड़ी पूंजी है। भारतीय परंपरा में बचत को केवल आर्थिक क्रिया नहीं, बल्कि एक सद्गुण माना गया है। ÷आज की बचत, कल का संबल÷ जैसी कहावतें हमारे सामाजिक व्यवहार का हिस्सा रही हैं। गृहस्थ जीवन में संतुलन, संयम और संचय को जीवन-मूल्य के रूप में स्वीकार किया गया। बच्चों की गुल्लक, अनाज के कोठार, गहनों के रूप में सुरक्षित धन, और त्योहारों पर सीमित व सादगीपूर्ण खर्च-ये सब भारतीय जीवनशैली के अभिन्न अंग थे। संकट के समय भारतीय परिवार किसी के सामने हाथ फैलाने की बजाय अपनी जमा पूंजी और संसाधनों पर भरोसा करता था। यह आत्मनिर्भरता भारतीय समाज की शक्ति रही है। लेकिन बदलती जीवनशैली और बाजार-प्रेरित संस्कृति ने इस परंपरा को कमजोर किया है। आज 'जियो अभी' की मानसिकता, आसान कर्ज, ईएमआई संस्कृति, क्रेडिट कार्ड, ऑनलाइन शॉपिंग और सोशल मीडिया पर दिखावे की प्रतिस्पर्धा ने खर्च को एक प्रकार की पहचान बना दिया है। उपभोग अब आवश्यकता से अधिक आकांक्षा से संचालित होने लगा है।

अनुभवों, ब्रांड और त्वरित संतुष्टि को प्राथमिकता देने से दीर्घकालीन वित्तीय सुरक्षा पीछे छूटती जा रही है। विशेषकर जेन-जी और युवा मिलेनियल पीढ़ी के लिए बचत एक बोझ या भविष्य की अस्पष्ट चिंता जैसी प्रतीत होने लगी है। यह स्थिति भारतीय दर्शन की मूल भावना के विपरीत है। भारतीय विचार परंपरा न अति भोग की पक्षधर है, न अति त्याग की। संयम, संतुलन और विवेक का मार्ग ही श्रेष्ठ माना गया है। यही सिद्धांत आर्थिक जीवन में भी लागू होता है। उपभोग आवश्यक है, क्योंकि इससे अर्थव्यवस्था गतिशील रहती है, रोजगार सृजन होता है और नवाचार को प्रोत्साहन मिलता है। परंतु जब खर्च अनियंत्रित हो जाए और बचत उपेक्षित हो जाए, तब व्यक्ति ही नहीं, समाज और राष्ट्र भी असुरक्षित हो जाते हैं।

अनुभवों, ब्रांड और त्वरित संतुष्टि को प्राथमिकता देने से दीर्घकालीन वित्तीय सुरक्षा पीछे छूट रही है। भारतीय आर्थिक सोच में बचत को आर्थिक सुरक्षा और विकास का आधार माना जाता है, जहाँ घर-परिवार की आय का एक बड़ा हिस्सा (लगभग 70 प्रतिशत) घरेलू बचत से आता है, जो सोने, स्थायी जमा और पीपीएफ जैसी योजनाओं में होता है, लेकिन नई पीढ़ी में 'खर्च करो' की सोच बढ़ी है, जिससे बचत की दरें घट रही हैं, जबकि वित्तीय साक्षरता और सरकारी योजनाओं (पीपीएफ, एनएससी, सुकन्या समृद्धि) के जरिए इसे फिर से बढ़ाने पर जोर है, क्योंकि बचत से ही निवेश और आर्थिक विकास संभव है। आज की वैश्विक परिस्थितियां इस असुरक्षा को और गहरा कर रही हैं। भू-राजनीतिक तनाव, युद्ध, जलवायु संकट, तकनीकी बदलाव और रोजगार की अनिश्चितता यह संकेत देती है कि भविष्य पहले से अधिक अस्थिर है। ऐसी स्थिति में बचत और निवेश दोनों की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। यदि भारतीय समाज अपनी बचत संस्कृति से दूर होता गया, तो दीर्घकाल में आर्थिक आत्मनिर्भरता कमजोर पड़ सकती है। विदेशी पूंजी पर निर्भरता बढ़ेगी और घरेलू संसाधनों की भूमिका सीमित होती जाएगी।

युवाओं को वित्तीय साक्षरता के माध्यम से बचत और निवेश का महत्व समझाना होगा। यह भी ध्यान देने योग्य है कि बचत में गिरावट का सीधा प्रभाव पारिवारिक एवं सामाजिक सुरक्षा पर पड़ता है। भारत में अभी भी व्यापक सामाजिक सुरक्षा तंत्र सीमित है। पेंशन, स्वास्थ्य बीमा और बेरोजगारी सहायता जैसी व्यवस्थाएं पूरी आबादी को नहीं कवर करतीं। ऐसे में व्यक्तिगत और पारिवारिक बचत ही संकट के समय सहारा बनती है। यदि बचत घटती रही, तो आर्थिक झटकों का असर अधिक विनाशकारी होगा।

हेल्थ टिप्स

हेल्दी नहीं पीनट की चिक्की और गुड़ के लड्डू... नहीं हो सकेगा वेट लॉस

मोटापा एक गंभीर स्थिति है, एक्सपर्ट से लेकर सरकारें तक इसे काबू में करना चाहती हैं। पिछले सालों का रेकॉर्ड देखें तो मोटे लोगों की संख्या काफी बढ़ गई हैं और यह तेजी से और भी बढ़ती जा रही है। अब बच्चे भी मोटापे का शिकार होने लगे हैं। लोगों में हार्ट डिजीज, डायबिटीज, फैटी लिवर के मामले बढ़ने के पीछे भी कहीं न कहीं मोटापा ही एक वजह होती है। इन लोगों का वेट लॉस करना बहुत जरूरी हो गया है। आयुर्वेद के मशहूर डॉक्टर सलीम जैदी ने वजन कम करने वाले लोगों को 4 हेल्दी दिखने वाले फूड्स को ना खाने की सलाह दी है। उनका कहना है कि हेल्दी दिखने वाली हर चीज वेट लॉस फ्रेंडली नहीं होती। सवाल यह है कि वेट लॉस करने के लिए सही चीजों का चुनाव कर रहे हैं या कही सुनी बातों में आकर अपनी सारी मेहनत को बर्बाद कर रहे हैं।

पीनट चिक्की: सर्दी में मूंगफली-गुड़ की चिक्की या मूंगफली वाली गजक खूब पसंद की जाती है। डॉक्टर का कहना है कि मूंगफली चिक्की दिखती तो हेल्दी है, लेकिन गुड़ और मूंगफली का यह कॉम्बो बहुत हाई कैलोरी होता है। रोजाना एक पीस भी खाओगे तो वेट लॉस होना रुक सकता है।

गुड़ वाले लड्डू: तिल, ड्राई फ्रूट और गुड़ वाले लड्डू को अक्सर हेल्दी माना जाता हैं, लेकिन ये मोटे लोगों के लिए हेल्दी नहीं हैं।

गुड़ के लड्डू को बनाने में बहुत सारा घी और ड्राई फ्रूट लगता है। सिर्फ एक लड्डू में एक पूरे मील के बराबर कैलोरी हो सकती हैं। यह अतिरिक्त कैलोरी फैट बनकर आपके पेट, जांघ और कूल्हों पर जमा होकर मोटापा बढ़ाती हैं।

घी फ्राइड मखाना: मखाना हेल्दी होता है, लेकिन डॉक्टर का कहना है कि जब घी में इसको भूना जाता है तो कैलोरी दोगुनी हो जाती हैं। वेट लॉस के लिए यह एक साइलेंट ट्रैप की तरह है। इसलिए वेट लॉस करने वाले लोगों को घी में फ्राइड मखाने नहीं खाने चाहिए।

ब्राउन ब्रेड : ब्राउन ब्रेड को भी हेल्दी समझकर वेट लॉस डाइट में शामिल कर लेते हैं। लेकिन मार्केट में मिलने वाला ब्राउन ब्रेड अक्सर केवल रंगीन मैदा होता है, व्होल व्हीट फ्लोर से बना नहीं। इससे शुगर स्पाइक करती है और वजन घटने की प्रक्रिया धीमी हो जाती है।

सुविचार

सफलता छोटे-छोटे प्रयासों का परिणाम है जो दिन-ब-दिन लगातार किए जाते हैं

-अज्ञात

निशाना

काले करते काम..!

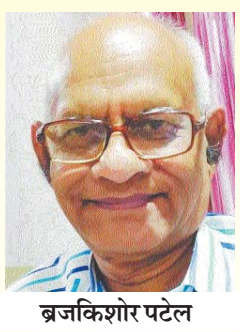

ब्रजकिशोर पटेल

कामी लोभी निरीक्षक, जमाखोर मुँह जोर।
त्रस्त आम जनता हुई, मस्त मिलावट खोर।
मस्त मिलावट खोर, खूब काला धन बनता।
मंत्री बैठे मौन, मुसीबत में है जनता।
कह पटेल कविराय, प्रशासन में ही खामी।
हुआ नियम कमजोर, मजा करते हैं कामी।
कालेधन का क्या करे, भला निरा कानून।
पैसों का जब बढ़ रहा, चारों तरफ जुनून।
चारों तरफ जुनून, सड़क जर्जर कानूनी।
फंसे हुये जन देत स्वयं ही रिश्वत दूनी।
कह पटेल कविराय, देश के पग हैं छाले।
काले करते काम, खजाने रखते काले।।

इनोवेशन

पिता - बेटे की जोड़ी ने बनाया 'होममेड' ड्रोन, 657 किमी/घंटा की स्पीड से गिनीज बुक में दर्ज

तकनीक के दम पर एक पिता पुत्र की जोड़ी ने ऐसा कारनामा किया है, जिसकी पूरी दुनिया में वाहवाही हो रही है। दक्षिण अफ्रीका के पिता-पुत्र ने घर बैठे दुनिया का सबसे तेज दौड़ने वाला क्वॉडकॉप्टर यानी ड्रोन बना डाला है। इसका नाम Peregreen v4 है, जिसने करीब 657 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से उड़कर गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में अपना नाम दर्ज किया है। खास बात है कि कुछ महीनों पहले एक ऑस्ट्रेलियाई इंजीनियर के बनाए ड्रोन ने लगभग 626 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से उड़कर अपने नाम यह रिकॉर्ड किया था, जो चंद महीनों में टूट गया।

ड्रोन को बनाने वाले ल्यूक बेल और माइक बेल, दोनों साउथ अफ्रीका से हैं। Luke Ma&imo Bell यूट्यूब चैनल पर इस ड्रोन की कामयाबी का वीडि?यो शेयर किया गया है। जानकारी के अनुसार, Peregreen V4 ने जो कामयाबी हासिल की है, उसमें इंजीनियरिंग का कमाल तो है ही, क्रिएटविटी और प्रिंटिंग का भी बखूबी यूज किया गया है। बताया जा रहा है कि पिता-पुत्र ने घर पर ही 5 महीनों की मेहनत के बाद यह कामयाबी हासिल की। उन्होंने ड्रोन के हर हिस्से को फिर से डिजाइन किया, क्योंकि वो दुनिया में सबसे आगे रहना चाहते थे। उन्होंनेअपने बनाए ड्रोन की अच्छे से जांच की। डिजिटल मॉडल बनाया और उसे टेस्ट किया और असल दुनिया में हो रहे प्रयोगों को भी ध्यान में रखा। ड्रोन के मुख्य हिस्सों, कैमरा माउंट और लैंडिंग गियर को बनाने के लिए एक 3D प्रिंटर का इस्तेमाल किया गया। बताया जा रहा है कि तीनों हिस्सों को एक ही बार में प्रिंट किया गया, जिससे ड्रोन की उड़ान क्षमता में जबरदस्त सुधार हुआ। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, ल्यूक बेल और माइक बेल ने तीसरी बार यह रिकॉर्ड अपने नाम किया है। साल 2024 में इस जोड़ी ने 480 किलोमीटर प्रति घंटे उड़ने वाला ड्रोन बनाया था। पिछले साल जून में उन्होंने 580 किलोमीटर प्रति घंटे उड़ने वाला ड्रोन बनाया। अब यह रफ्तार 657 किलोमीटर प्रति घंटा हो गई है। पिछले साल एक ऑस्ट्रेलियाई इंजीनियर बेंजामिन बिग्स के ड्रोन ने 626 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार भरकर सनसनी मचाई थी, लेकिन अब ल्यूक बेल और माइक बेल आगे निकल गए हैं। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने इस उपलब्धि को कन्फकर्म किया है। यह एक बैटरी-पावर्ड रिमोट कंट्रोल ड्रोन है, जिसने सबसे तेज ग्राउंड स्पीड पाई है। रिकॉर्ड बनाने के लिए ड्रोन ने 2 दिशाओं में उड़ान भरी, ताकि हवा के असर का पता लगाया जा सके।

अजब - गजब

'कैमल फर कटिंग' आर्ट : ऊँट के शरीर पर ऐसी नक्काशी... लगते हैं चलती-फिरती आर्ट गैलेरी

राजस्थान की रेतीली धरती पर ऊंट सिर्फ सवारी का साधन नहीं, बल्कि गर्व और संस्कृति का प्रतीक है। यहां रायका और रबारी जैसे नोमैड समुदाय अपने ऊंटों को उत्सवों के लिए इतना खूबसूरत बनाते हैं कि वो चलता-फिरता आर्ट गैलरी लगते हैं। सोशल मीडिया पर वायरल हो रही एक ऊंटनी का वीडियो तहलका मचा रहा है। वीडियो में उसके शरीर पर बाल काटकर उकेरी गई बेमिसाल नक्काशी देखकर लोग वाह! कह रहे हैं। ये कला कैमल फर कटिंग या कैमल हेयर आर्ट कहलाती है, जो बीकानेर कैमल फेस्टिवल का मुख्य आकर्षण बनी थी।

ये परंपरा सदियों पुरानी है। थार मरुस्थल के लोग ऊंटों को गहनों, झालरों और सबसे खास बालों पर नक्काशी से सजाते हैं। कैंची और ब्लेड से बालों को सावधानी से काटकर ज्योमेट्रिक पैटर्न, फूल-पत्तियां, जाली, मोर, मंदिर, मुगल गार्डन, राजस्थानी योद्धा या यहां तक कि राम-सीता, हनुमान जैसे धार्मिक मोटिफ्स बनाए जाते हैं। कुछ ऊंटों पर ओंट उत्सव बीकानेर जैसे हिंदी शब्द भी उकेरे जाते हैं। ये काम धैर्य की परीक्षा है। फोटोग्राफर ओसाकाबे यासुओ और अन्य एक्सपर्ट्स बताते हैं कि एक परफेक्ट डिजाइन में 3 साल लग सकते हैं। पहले 2 साल बालों को बढ़ाने, ट्रिम करने और मोटाई सेट करने में और अंतिम साल में डिटेल्ड कार्विंग और कभी-कभी डाई से रंग भरने में बीत जाते हैं। बीकानेर इंटरनेशनल कैमल फेस्टिवल में ये आर्ट कंपटीशन का हिस्सा है। यहां बेस्ट कैमल हेयर कट कैटेगरी में लोग अपनी ऊंटों को शोकेस करते हैं। हाल के फेस्टिवल्स में कलाकार हरिराम जैसे मशहूर नाम 25 साल से ये कला कर रहे हैं, जहां ऊंट पर तिरंगा, जूनागढ़ किला या महाराजा गंगासिंह जैसी डिजाइन उकेरी गईं। यहां तक कि 5वीं क्लास की छात्रा आलिया ने भी ऊंट पर करणी माताजी और महाराजा की तस्वीर बनाकर सबको चौंका दिया। जापानी हेयर ड्रेसर मेघुमी टेकीची भी सालों से बीकानेर आकर ये कला सीखती और कॉम्पिटिशन में पार्टिसिपेट करती हैं, जहां उन्होंने सेकंड प्राइज भी जीता। ये आर्ट सिर्फ सजावट नहीं, बल्कि मनुष्य और जानवर के बीच गहरे बॉन्ड को दर्शाता है. ऊंट राजस्थान में धन और पहचान का प्रतीक है।

न्यूज विंडो

टांडा पुलिस ने 35 हजार के ईनामी डकैत को किया गिरफ्तार

धार। गंभीर अपराधों में फरार चल रहे आरोपियों की गिरफतारी को लेकर चलाए जा रहे अभियान के तहत टांडा पुलिस टीम ने एक कुख्यात डकैत करमु पिता रतन भील को गिरफ्तार किया है। आरोपी कई राज्यों में फरारी काट रहा था, इसी बीच सूचना मिली डकैत करमु गांव लौट रहा है। पुलिस की दो अलग-अलग टीमों ने ग्राम गुडा में सर्चिंग शुरु की, बदमाश पुलिस को देखकर जंगल की और भागने का प्रयास किया। हालांकि घेराबंदी करते हुए पुलिस ने 35 हजार रुपए ईनामी बदमाश को अरेस्ट कर लिया। चैकिंग के दौरान बदमाश के पास एक देशी कट्टा सहित जिंदा कारतूस मिला, जिसे जप्त करते हुए पुलिस ने वैधानिक कार्यवाही शुरु कर दी है। दरअसल मासिक समीक्षा बैठक में एसपी मयंक अवस्थी ने थानों पर दर्ज संपत्ति संबंधी प्रकरणों व गंभीर अपराधों में फरार चल रहे बदमाशों की गिरफ्तारी को लेकर गत दिनों एक अभियान की शुरुआत की थी। इसी कड़ी में टांडा पुलिस ने बदमाश एक बदमाश को गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी संजय रावत के अनुसार एक साल पहले ग्रामीण पर बदमाश ने हमला किया था, घटना के बाद से ही डकैत करमु क्षेत्र छोड़कर फरार हो गया था। वर्ष 2023 के बाद से ही करमु अलग-अलग राज्यों में पहचान छुपाकर प्रकरणों में फरारी काट रहा था। धार जिले के राजगढ़ थाने पर दर्ज चोरी, लूट व डकैती के कुल 6 प्रकरणों में बदमाश फरार था। आरोपी को गिरफ्तार करने के बाद पुलिस ने पूछताछ शुरु की तो डकैत करमु ने अपने साथियों के साथ मिलकर घटनाएं करना कबूल किया।

मकर संक्रांति पर कुटुंब प्रबोधन व सामाजिक समरसता का दिया संदेश

सागर। कुटुंब प्रबोधन की भावनाओं को जागृत करने, समाज में नव परिवर्तन लाने एवं सामाजिक समरसता का भाव जागने के लिए शिवाजी वार्ड में मातृशक्तियों द्वारा मकर संक्रांति का एवं हल्दी कुमकुम का कार्यक्रम मनाया गया। कार्यक्रम में इसमें मुख्य अतिथि विशाखा देव, डॉ.निवेदिता रत्नाकर एवं डॉ.निकिता पिंपलामपुरे मौजूद थीं. कार्यक्रम की संयोजिका एकता मधुसूदन खेमरिया थीं। कार्यक्रम में विशाखा देव ने कहा कि हल्दी कुमकुम का कार्यक्रम कुटुंब की भावना को जागृत करता है एवं समरसता का संदेश समाज में जाता है और समाज का जुड़ाव होता है। संयोजिका एकता खेमरिया ने कहा यह कार्यक्रम हमारी प्राचीन संस्कृति की अमूल्य धरोहर है। कार्यक्रम में अधिवक्ता वर्षा सिंह, मधु नायर, सीमा खेमरिया, श्वेता तिवारी, रोशनी अहिरवार आदि मातृशक्ति मौजूद रही।

श्री राम कथा का श्रवण करने के लिए बड़ी संख्या में उमड़े श्रद्धालु

सागर. श्री रामबाग मंदिर में रसमय भजनों के बीच चल रही संगीतमय श्री राम कथा के आठवें गुरुवार को कथा व्यास पं.मनोज व्यास ने भक्तमाल कथा में भक्त चंद्रहास की भक्ति चरित्र का वर्णन किया। रामकथा सुनाते हुए परशुराम संवाद सुनाया। विवाह के बाद भगवान अयोध्या पहुचे। रामकथा में महराज दशरथ ने राम का राज्याभिषेक की घोषणा की परन्तु दासी मंथरा ने रानी केकई की मति को फेरा। रानी केकई कोप भवन में चली गईं। दशरथ कोप भवन पहुचें तब केकई ने राजा से भरत को राज्याभिषेक और राम को वनवास मांग लिया है. कथा में श्रीराम माता की आज्ञा लेकर वल्कल वस्त्र धारण कर सीता और लक्ष्मण सहित वन को चले। श्री राम कथा के बीच गाये जा रहे भक्तिमय भजनों का आनंद श्रोता उठा रहे हैं। कथा के मुख्य यजमान श्रीजी राधे राधे, वीरेंद्र सुहाने,हेमंत सोनी आदि हैं।

बीना में आयोजित तीन दिवसीय महोत्सव में उपमुख्यमंत्री हुए शामिल

विश्व पर्यटन स्थल के रूप में विकसित होगा ऐरण, रोजगार के अवसर मिलेंगे: शुक्ल

सागर। दोपहर मेट्रो

ऐरण विश्व पर्यटन स्थल के रूप में विकसित होगा, जिससे युवाओं को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे एवं क्षेत्र समृद्ध बनेगा। विरासत से विकास की उड़ान भी शुरू होगी। उक्त विचार उप मुख्यमंत्री एवं सागर जिले के प्रभारी राजेंद्र शुक्ल ने सागर जिले के बीना में तीन दिवसीय ऐरण महोत्सव के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में व्यक्त किये। इस अवसर पर विधायक निर्मला सप्रे, नगर निगम अध्यक्ष वृंदावन अहिरवार, श्याम तिवारी, गौरव सिरोठिया, अरुणोदय चौबे, अपर कलेक्टर अविनाश रावत, एसडीएम विजय डेहरिया, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव उईके सहित अन्य जन प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में जन समुदाय मौजूद था।

राजेंद्र शुक्ल ने ऐरण महोत्सव में कहा कि प्रदेश की सरकार लगातार ऐतिहासिक स्थलों पर महोत्सव आयोजित कर उनकी गरिमा एवं पर्यटन को बढ़ाने का कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि निकट भविष्य में यह ऐरण विश्व पर्यटक स्थल के रूप में स्थापित होगा और यहां बड़ी संख्या में सैलानी एवं पर्यटक आएंगे। उन्होंने कहा कि यहां बीना नदी के कारण यह स्थल और भी मनोरम है। उन्होंने कहा कि यह ऐतिहासिक विष्णु भगवान की मूर्ति देखकर लगता है कि हजारों वर्ष पूर्व भी यहां के कलाकार कितने कुशल एवं दक्ष होंगे, जिन्होंने इतनी अच्छी नक्काशी के माध्यम से उनको मूर्त रूप दिया। इतिहास परंपरा को आधुनिकता से जोड़ने का कार्य ऐरण महोत्सव करेगा। उप-मुख्यमंत्री शुक्ल ने ऐरण में बीना नदी में गंगा आरती की।

ऐरण से विश्व में सागर की पहचान स्थापित हुई: सप्रे

बीना विधायक निर्मला सप्रे ने कहा कि ऐरण महोत्सव बीना सहित बुंदेलखंड एवं मध्य प्रदेश के गौरव का पुरातत्व स्थल है। इससे विश्व में सागर की पहचान स्थापित हुई है। ऐरण बुंदेलखंड सहित विश्व की धरोहर है। सप्रे ने कहा कि ऐरण को संरक्षित एवं संरक्षण करने का कार्य हम सबको करना होगा उन्होंने समस्त जन समुदाय से अपील भी की कि ऐरण क्षेत्र में जो भी मूर्ति प्राप्त होती है वह पुरातत्व विभाग को प्रदान करें ऐरण भविष्य में बड़ा पर्यटन स्थल बनेगा। ऐरण महोत्सव के दौरान उपमुख्यमंत्री ने पुरातत्व विभाग के वरिष्ठ अधिकारी डॉ. मोहन चढ़ार एवं डॉ. हरि सिंह गौर विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग के अध्यक्ष डॉ. नागेश दुबे को शाल श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया। 1700 वर्ष पुराने ऐरण के विष्णु भगवान के मंदिर एवं विभिन्न अवतारों की पुरातत्व विभाग के अधिकारी डॉ.चढ़ार एवं डॉ. दुबे ने विस्तार से जानकारी दी।

इंदौर में दूषित पानी से मौत पर औबेदुल्लागंज में कांग्रेस ने दी श्रद्धांजलि

औबेदुल्लागंज। दोपहर मेट्रो

इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पानी पीने से हुई मौतों के विरोध में युवा कांग्रेस के पूर्व जिला अध्यक्ष परेश के नेतृत्व में स्थानीय अंबेडकर चौराहे पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने इंदौर के क्षेत्रीय विधायक व कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और महापौर पुष्यमित्र भार्गव के खिलाफ कड़ा आक्रोश जताया। कांग्रेसियों ने दोनों जनप्रतिनिधियों के नाम पोस्टकार्ड लिखे, जिन पर लानत है। लिखकर उनके इस्तीफे की मांग की गई। कार्यक्रम में ब्लॉक अध्यक्ष इमरत दरबार ने कहा कि प्रशासन की लापरवाही से निर्दोष लोगों की जान गई है। इस अवसर पर सेवादल अध्यक्ष मेघराज चौहान, सरपंच राजू मेहरा, पवित्रत कौर, संजय सिंह, परवेज खान, दुर्गेश यादव, किसान कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष सूरजमल गौर सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

गुरुजनों में अपार शक्ति, इसका का इस्तेमाल कर विद्यार्थियों को आगे बढ़ाएं

कलेक्टर ने बोर्ड परीक्षा के संबंध में प्राचार्यों के साथ की समीक्षा बैठक

सागर। दोपहर मेट्रो

परीक्षा अंत नहीं एक पड़ाव है, परीक्षा के समय आप मानसिक संतुलन बनाए रखें घबराएं नहीं साथ ही सौ प्रतिशत बोर्ड परीक्षा परिणाम लाकर मध्य प्रदेश में सागर का नाम रोशन करें। गुरुजनों में अपार शक्ति, शक्ति का इस्तेमाल कर विद्यार्थियों को आगे बढ़ाएं एवं प्राचार्य अपने-अपने विद्यालयों में विद्यार्थियों को डॉक्टर, इंजीनियर बनाने की दिशा में प्रयास करें। उक्त विचार कलेक्टर संदीप जी आर ने बोर्ड परीक्षा के संबंध में प्राचार्यों के साथ आयोजित समीक्षा बैठक में व्यक्त किये। इस अवसर पर संयुक्त संचालक शिक्षक शत्रुंजय प्रताप सिंह, जिला शिक्षा अधिकारी अरविंद जैन, विकासखंड शिक्षा अधिकारी भारती निगम सहित सभी विकासखंडों के सहायक संचालक विकासखंड के विकासखंड शिक्षा अधिकारी सहित जिले के विद्यालयों के प्राचार्य मौजूद थे। कलेक्टर संदीप जी आर ने कहा कि गुरुजनों में अपार शक्ति होती है और उनकी गरिमा भी समाज में होती है. अपनी गरिमा एवं शक्ति का उपयोग करें एवं उसको बनाए रखें इसी के साथ अपने विद्यालय में अध्यनरत विद्यार्थियों को अपना शैक्षणिक ज्ञान शत प्रतिशत दें जिससे कि वह आगे बढ़ सके एवं कक्षा 12वीं के बाद डॉक्टर, इंजीनियर बन सके। कलेक्टर ने कहा कि डॉक्टर, इंजीनियर बनाने के लिए सभी प्राचार्य अपने-अपने विद्यालयों में नीट एवं इंजीनियर से संबंधित परीक्षाओं के 10 वर्ष के प्रश्न पत्र एवं पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को उपलब्ध कराएं एवं संकल्प लें कि अपने अपने विद्यालयों से कम से कम दो-दो विद्यार्थियों को डॉक्टर, इंजीनियर बनाएंगे। उन्होंने कहा कि विद्यालय के पुराने टॉपर और सफल छात्रों को आमंत्रित कर उनके सुझाव विद्यार्थियों को दिलाएं।

विद्यार्थियों में लिखने की आदत अवश्य डालें

कलेक्टर ने कहा कि सभी अपने-अपने विद्यालयों में पाठ्यक्रम के पीरियड के बाद प्रत्येक पीरियड में कम से कम 10 मिनट विद्यार्थियों को लिखने की आदत अवश्य डालें। जिससे कि वह अपने भविष्य को उज्जवल बना सके। उन्होंने कहा कि परीक्षा एक पड़ाव है अंत नहीं इसलिए किसी भी विद्यार्थियों को तनाव न दें और विद्यार्थियों को तनाव मुक्त रखने के लिए सभी आवश्यक प्रयास करें एवं विद्यार्थियों के लिए विद्यालय में एक काउंसलर भी बनाएं।

वन क्षेत्र में अनुभूति कार्यक्रम संपन्न

भीमबैठका के जंगलों में छात्राओं ने सीखी प्रकृति की पाठशाला

ओबेदुल्लागंज। दोपहर मेट्रो

रातापानी टाइगर रिजर्व के बरखेड़ा वन परिक्षेत्र अंतर्गत प्रसिद्ध भीमबैठका वन क्षेत्र में अनुभूति कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस शिविर में शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की छात्राओं ने प्रकृति के करीब रहकर वन और वन्यजीवों के महत्व को समझा। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह चाय-नाश्ते के बाद जंगल भ्रमण से हुई। वनपथ पर छात्राओं को विभिन्न पेड़-पौधों की पहचान कराई गई और उनके औषधीय गुणों की जानकारी दी गई। वन परिक्षेत्र अधिकारी मयंक पांडे ने देश-प्रदेश में वन्यप्राणियों की वर्तमान स्थिति और पारिस्थितिक तंत्र में उनकी भूमिका पर प्रकाश डाला। वन विभाग द्वारा जल एवं मृदा संरक्षण के लिए बनाए जाने वाले तालाब, चेकडैम और कंटूर ट्रेंच के मॉडल प्रदर्शित कर उनके लाभ बताए गए। मास्टर ट्रेनर हरीशचंद्र राय ने वन्यप्राणी गणना की विधियों और साक्ष्य संकलन की प्रक्रिया समझाई। दोपहर भोजन के बाद प्रश्नोत्तरी और सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए, जिसमें छात्राओं ने देशभक्ति गीत और कविताओं की शानदार प्रस्तुति दी। इस अवसर पर हेमन्त रैकवार, वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी और विद्यालय का स्टाफ मुख्य रूप से उपस्थित रहा।

आदर्श सड़क और घोड़ा चौपाटी पर भी कार्रवाई, शहर पर पुलिस की पैनी नजर

बसंत पंचमी: आईजी के निर्देश के बाद भोजशाला के बाहर से नपा टीम ने हटाया अवैध अतिक्रमण

धार। दोपहर मेट्रो

भोजशाला में बसंत पंचमी महोत्सव को लेकर तैयारियां शुरु हो गई। सुरक्षा व्यवस्थाओं के साथ अब भोजशाला परिसर के बाहर और पिछले हिस्से में हो रहे अतिक्रमण को नगर पालिका की टीम ने हटाना शुरु कर दिया है। नपा की टीम ने परिसर के बाहर से अतिक्रमण पर कार्रवाई करते हुए कई अवैध रुप से लगाई गई गुमटियों हटा दिया। गौरतलब है कि दो दिन पूर्व आईजी अनुराग सिंह ने निरीक्षण के दौरान अतिक्रमण हटाने के लिए निर्देशित किया था।

इस बार बसंत पंचमी शुक्रवार को है और इसी दिन मुस्लिम समाज भी परिसर में नमाज अदा करता है, जिसे लेकर प्रशासन हाई अलर्ट मोड़ पर है। भोजशाला और उसके परिसर के बाहर सुरक्षा की दृष्टि से सीसीटीवी के सर्विलांस के साथ भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। नगर पालिका की टीम ने भोजशाला से लेकर पुरानी सब्जी मंडी में कार्रवाई करते हुए अवैध गुमटियों को हटा दिया, कुछ अवैध गुमटियां अभी भी रखी हुई है जिन्हें टीम द्वारा हटाया जाएगा, अतिक्रमण पूर्व ही अवैध अतिक्रमणधारियों को अपनी गुमटियों को हटाने के लिए सूचना दी गई थी।

मेट्रो एंकर

सेना दिवस पर सम्मान समारोह आयोजित

भारतीय सशस्त्र बल विश्व के सर्वश्रेष्ठ एवं सबसे पेशेवर बलों में गिने जाते हैं: शर्मा

सागर। दोपहर मेट्रो

10वां सशस्त्र सेना दिवस के अवसर पर जिला सैनिक कल्याण कार्यालय परिसर में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में पूर्व सैनिकों, वीर नारियों एवं उनके आश्रितों ने हर्षोल्लास के साथ सहभागिता की। इस अवसर पर जिला सैनिक कल्याण अधिकारी सागर कैप्टन (नौसेना) यूपीएस भदौरिया (से.नि.) ने बताया कि वेटरन्स दिवस प्रत्येक वर्ष 14 जनवरी को पूर्व सैनिकों के योगदान को स्मरण करने एवं उन्हें सम्मान देने के उद्देश्य से मनाया जाता है। उन्होंने उल्लेख किया कि 14 जनवरी 1953 को भारतीय सेना के प्रथम भारतीय सेनाध्यक्ष फील्ड मार्शल के.एम. करिअप्पा सेवानिवृत्त हुए थे, इसी स्मृति में यह दिवस मनाया जाता है।

समारोह का शुभारंभ सागर जिले के उन 9 वीर योद्धाओं को श्रद्धांजलि अर्पित कर किया गया, जिन्होंने राष्ट्र की रक्षा में अपने प्राण न्योछावर किए। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि संयुक्त कलेक्टर राजनंदनी शर्मा रहीं। उन्होंने वीर नारियों, युद्ध दिव्यांग पूर्व सैनिकों, योद्धा पूर्व सैनिकों एवं वरिष्ठ पूर्व सैनिकों को सम्मानित किया। कार्यक्रम में शर्मा ने कहा कि आज भारतीय सशस्त्र बल विश्व के सर्वश्रेष्ठ एवं सबसे पेशेवर बलों में गिने जाते हैं। यह गौरवपूर्ण पहचान पूर्व सैनिकों के बलिदान, अदम्य साहस एवं कठिन परिश्रम का परिणाम है। वेटरन्स दिवस हमारे बहादुर योद्धाओं को स्मरण करने एवं उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करने का एक विशेष अवसर है। समारोह में कर्नल राम सिंह (से.नि.), कर्नल आर.एस. यादव (से.नि.), मेजर एस.सी. शर्मा (से.नि.) एवं मेजर गजराज सिंह यादव (से.नि.) सहित अन्य गणमान्य नागरिक एवं पूर्व सैनिक उपस्थित रहे।

न्यूज विंडो

उत्कृष्ट विद्यालय के वार्षिक उत्सव पर बच्चों ने दी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां

गंजबासौदा। नगर के शासकीय उत्कृष्ट उमावि में दो दिवसीय वार्षिक उत्सव अंतर्गत सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया गया। जिसमें प्रथम दिवस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष शशि यादव, कार्यक्रम अध्यक्ष के रूप में जनपद अध्यक्ष नीतू रघुवंशी, विशेष अतिथि के रूप में नगर पालिका उपाध्यक्ष संदीप ठाकुर, पूर्व जिलाध्यक्ष भाजपा राकेश जादौन ,पूर्व केंद्रीय सहमंत्री विश्व हिंदू परिषद राजेश तिवारी , भाजपा के वरिष्ठ नेता रूपेंद्र शर्मा, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस शिखा भलावी ,विद्यालय प्राचार्य एमसी शर्मा मुख्य रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य एमसी शर्मा एवं समस्त अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इसके उपरांत कार्यक्रम में सभी अतिथियों तथा छात्र संघ सदस्यों द्वारा तिलक तथा पुष्प गुच्छ से स्वागत किया गया। कार्यक्रम के आरंभ में प्राचार्य द्वारा वर्ष भर की विद्यालयीन गतिविधियों को समाहित कर प्रतिवेदन का वाचन किया। इस दो दिवसीय आयोजन में प्रथम दिवस सांस्कृतिक रंगारंग कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं, दूसरे दिवस वर्ष भर विभिन्न गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र छात्राओं को पुरस्कार विरतण का आयोजन किया जाना है। रंगारंग कार्यक्रम में लगभग 16 विभिन्न दलों द्वारा प्रस्तुति दी गई। इसमें ह्रष्टष्ट आर्मी कैडेट्स द्वारा आपरेशन सिंदूर, ह्रष्टष्ट नेवी कैडेट्स द्वारा उरी हमला पर आधारित नाट्य रूपांतर, ह्रस्-दल द्वारा झांसी की रानी की वीर गाथा आधारित नाटक के साथ साथ समाज को संदेश देते हुए बाल श्रम, नशा मुक्ति जैसी कुरीतियों को दूर करने का संदेश नृत्य के माध्यम से दिया गया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष ने छात्रों को पढ़ाई के साथ साथ सांस्कृतिक विधा में भी मेहनत से आगे बढ़ने का संदेश दिया। राजेश जी तिवारी ने कहा कि जैसा कि स्कूल का नाम उत्कृष्ट है वैसे ही जीवन में भी उत्कृष्ट बनें। सभी प्रस्तुति के माध्यम से समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करने का संदेश दिया गया है।

शासकीय विद्यालयों में बैग विद एजुकेशनल डेस्क' का वितरण

नर्मदापुरम। राज्यसभा सांसद माया नारोलिया के सतत प्रयासों से गेल इंडिया लिमिटेड की कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) योजना के अंतर्गत नर्मदापुरम जिले के शासकीय विद्यालयों में लगभग 28 हजार 'स्कूल बैग विद एजुकेशनल डेस्क' का वितरण किया जा रहा है।इस कड़ी में सांसद श्रीमती नारोलिया ने नर्मदापुरम शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों के प्राथमिक विद्यालयों में पहुंचकर छात्रों को शैक्षणिक सामग्री युक्त स्कूल बैग प्रदान किए। प्राथमिक शाला आईटीआई पीएम श्री ग्वालटोली, कोठी बाजार प्राथमिक शाला के अलावा ग्राम रायपुर, निमसाडिया, पांजराकला, निटाया, व्यावरा एवं पवारखेड़ा बस्ती के विद्यालयों के बच्चों से संवाद कर उन्हें बैग बांटे। उन्होंने कहा कि ग्रामीण-शहरी बच्चों को समान शैक्षणिक अवसर उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता है।कार्यक्रम में प्रमुख से पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष कुशल पटेल,भाजपा जिला मंत्री गोविंद राय,ग्रामीण मंडल अध्यक्ष गोकुल पटेल,मंडल अध्यक्ष रुपेश राजपूत,जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि सुधीर पटेल,जनपद पंचायत उपाध्यक्ष मंजुलता पटेल,पूर्व मंडल अध्यक्ष विकास नारोलिया,जिला मीडिया प्रभारी अमित महल्हे सहित भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ता कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्कूली बच्चे, जनप्रतिनिधि एवं भाजपा पदाधिकारी उपस्थित रहे।

परिजन मेले में घूमने गए थे युवक ने घर पर लगाई फांसी

सिरोंज। क्षेत्र के ग्राम देवपुर में 29 वर्षीय युवक ने खुदकुशी कर ली। गांव में रहने वाला मलखान अहिरवार गुरूवार सुबह घर से इलाज करवाने का कहकर निकला था। उसके जाने के बाद परिजन तीर्थ क्षेत्र में लगे मेले में घूमने चले गए। जब वे वापस लौटकर आए तो घर के दरवाजे की कुंडी भीतर से लगी हुई मिली। आसपास रहने वाले लोगों के सहयोग से घर के छज्जे पर रखे कबेलू हटाकर देखे तो मलखान भीतर फांसी पर लटका हुआ था। उसने घर में रखी साड़ी का फंदा बनाकर खुदकुशी कर ली थी। मृतक का पोस्टमार्टम आज होगा। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

कार्यालय अधीक्षक योगेश सोनी ने सुनी लोगों की समस्या

नर्मदापुरम। प्रत्येक नपा में होने वाली जनसुनवाई कार्यालय अधीक्षक योगेश सोनी द्वारा की गई। उन्होंने नागरिकों की समस्याएं सुनी तथा उनका निराकरण कराया। कार्यालय अधीक्षक श्री सोनी ने बताया कि नपाध्यक्ष नीतू यादव एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले के निर्देश पर जनसुनवाई की गई। जिसमें 5-6 साफ सफाई, जल निकासी सहित राशन कार्ड से नाम समर्पण के आवेदन पर सुनवाई की गई। जिसमें सभी समस्याओं का तत्काल निराकरण करा दिया गया।

बैरसिया में हुए दर्दनाक हादसे में हुई एक ही परिवार के लोगों की मौत

मातम में बदलीं खुशियां, मसूड़ी में एक साथ निकलीं 5 आर्थियों का अंतिम संस्कार

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

बीती रात बैरसिया में हुए सड़क हादसे में एक ही परिवार के 5 सदस्यों की मौत के बाद लटेरी के ग्राम मसूड़ी में शोक पसरा रहा। पोस्टमार्टम के बाद सभी 5 शवों को दोपहर मे मसूड़ी लाया गया। परिवारिक विलाप के बीच मृतका बबरीबाई 60 के साथ ही उसके बेटे मुकेश 33, पोते दीपक 14 और देवरानी लक्ष्मीबाई 58 की शवयात्रा एक साथ निकली। एक साथ तीन पीढ़ियों मां, बेटे, पोते का एक साथ अंतिम संस्कार देखकर सभी की आंखे नम हो गई। एक अन्य मृतका हरिबाई का ससुराल समीप स्थित सगड़ा गांव में है। इस कारण उसका अंतिम संस्कार सगड़ा में ही किया गया।

मृतक मुकेश अपनी मां बबरीबाई और परिवार के साथ सिरोंज के हाजीपुर मोहल्ले में ही रहता था। पत्नी सरजूबाई, 4 बेटियां पर इकलौता दीपक था बेटा था। बीती 26 नवंबर को ही 15 वर्षीय बेटी जूली ने खुदकुशी कर ली थी। मकर संक्रांति के अवसर पर उसी की अस्थियां विसर्जित करने के लिए पूरा परिवार होशंगाबाद जा रहा था। इसी बीच इस हादसे में परिवार के ही 5 सदस्य और काल के गाल में समा गए। उसकी पत्नी और 3 बेटियां भी सड़क हादसे में घायल हुई हैं। मसूड़ी में रहने वाली 110 वर्षीय पुनियाबाई पंथी का भी निधन हो गया था। उनके परिजनों ने भी अहिरवार परिवार के 4 सदस्यों के साथ पुनियाबाई का अंतिम संस्कार भी किया।

इनकी हुई मौत

दीपक अहिरवार

मुकेश अहिरवार

सीएम स्वेच्छानुदान से दिलाएंगे सहायता

दर्दनाक हादसे की जानकारी लगते ही विधायक उमाकांत शर्मा ने मकर संक्रांति के अवसर पर होने वाले उनके सभी कार्यक्रम निरस्त कर दिए। अंतिम संस्कार में लटेरी एसडीएम नितिन जैन भी मसूड़ी पहुंचे और पूरे समय मौजूद रहे। उन्होंने बताया कि फिलहाल सभी मृतकों को अंत्येष्टि सहायता राशि प्रदान की गई है। वहीं हम मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान सहायता के लिए भी प्रकरण बनाकर भेजेंगे। ट्रैक्टर-ट्राली और पिकअप की भीड़ंत में दुर्घटना में अहिरवार परिवार के ही 9 सदस्य और घायल हुए थे। इनमें एक महिला का इलाज अभी भोपाल में चल रहा है। वहीं अन्य 8 घायल इलाज के बाद वापस अपने गांव लौट कर आ गए हैं।

इलेक्ट्रॉनिक्स एवं इलेक्ट्रिकल्स व्यापार संघ सिरोंज की नई कार्यकारिणी गठित

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

इलेक्ट्रॉनिक्स एवं इलेक्ट्रिकल्स व्यापार संघ, सिरोज द्वारा हाल ही में संपन्न हुए चुनावों के पश्चात संघ की नई कार्यकारिणी का गठन कर दिया गया है। इस अवसर पर एक गरिमामय समारोह में नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ भी दिलाई गई।

संघ द्वारा 13 सदस्यीय कार्यकारिणी का गठन किया गया है। साथ ही संघ के दो वरिष्ठ सदस्यों श्री भूपेंद्र लालवानी एवं श्री अब्दुल कवि खान को महासंघ प्रतिनिधि नियुक्त किया गया। नवगठित कार्यकारिणी में श्री जितेंद्र जैन को अध्यक्ष, श्री महेश नेमा को मंत्री, मजहर खान को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उपाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी श्री अजय दुवे एवं श्री महेंद्र जैन को सौंपी गई है। सहसचिव के रूप में विक्की जैन तथा प्रचार मंत्री के पद पर देवेंद्र सेन को मनोनीत किया गया। कार्यकारिणी सदस्यों में सतीश सोनी, राजधर कुशवाह, श्री रोहित तारण, तरुण लालवानी, पवन नेमा एवं श्री अखिल सिंघई को शामिल किया गया है। शपथ ग्रहण समारोह के दौरान सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने संगठन की गरिमा बनाए रखने, व्यापारियों के हितों की रक्षा करने तथा संघ को सशक्त बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में उपस्थित सदस्यों ने नई टीम को शुभकामनाएं दीं और आशा व्यक्त की कि यह कार्यकारिणी व्यापारियों की समस्याओं के समाधान हेतु सक्रिय भूमिका निभाएगी।

हिंदू सम्मेलन को लेकर नगर के मुख्य मार्गों से निकाली विशाल वाहन रैली

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

हिन्दू सम्मेलन के भूमि पूजन एवं ध्वज स्थापना के लिए सकल हिंदू समाज द्वारा एक विशाल वाहन रैली निकाली गई। जो राजेंद्रनगर से प्रारंभ होकर नगर के मुख्य मार्गों से होती हुई पाठशाला प्रांगण पर समापन किया गया। इस भव्य रैली में युवा दोपहिया वाहन पर सवार हाथों में भगवा ध्वज लेकर चलते हुए जय श्री राम, भारत माता की जय के उद्घोष के साथ वाहनों से चल रहे थे। नगर में की कई स्थानों पर वाहन रैली का नागरिकों द्वारा पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया गया। यह रैली आगामी 20 जनवरी को होने वाले हिंदू सम्मेलन को लेकर थी। वहीं हिन्दू सम्मेलन में स्थानीय टीटी जैन पाठशाला प्रांगण में विशाल प्रसादी भंडारा का आयोजन रखा गया है। इस अवसर पर जगदगुरु रामानंदाचार्य काशी पीठाधीश्वर डॉ. रामकमलाचार्य वेदान्ती महाराज महाराज का उद्बोधन भी होगा।

एकतरफा मुकाबले में नागपुर की जीत , कोरिया बाहर

शहडोल/बुढार। दोपहर मेट्रो

नगर के स्व. कुशाभाऊ ठाकरे स्टेडियम में खेली जा रही अखिल भारतीय विधायक गोल्ड कप क्रिकेट प्रतियोगिता का पहला क्वार्टर फाइनल नागपुर और डीसीए कोरिया के बीच खेला गया, मैच में नागपुर की टीम ने कोरिया की टीम को हर मामले में पछाड़ते हुए शानदार जीत हासिल की।

मैच का टॉस नागपुर ने जीता , पिच का मिजाज भांपते हुए नागपुर के कप्तान ने पहले बल्लेबाजी का फैसला किया , पगले बल्लेबाजी करते हुए नागपुर की टीम ने निर्धारित बीस ओवरों में छह विकटों के नुकसान पर 195 रन बनाए , नागपुर की तरफ से सलामी बल्लेबाज आकिब खान ने 51 रन,हिमांशु ने 48 एवं राठी ने 37 रनों का योगदान दिया , कोरिया की ओर से गेंदबाज राज ने 2 विकेट लिए । 184 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी कोरिया की टीम को नागपुर के गेंदबाजों ने जमकर परेशान किया और कोरिया के दोनों सलामी बल्लेबाजों को 15 रनों के भीतर ही पवेलियन की राह दिखा दी , शुरुआती झटकों से कोरिया की टीम पूरे मैच के दौरान नहीं उबर पाई और 16 वें ओवर में ही 100 रनों पर आल आउट हो गई , कोरिया की ओर से बल्लेबाज राज ने ही कुछ देर तक संघर्ष किया और अपनी टीम के लिए 30 रन बनाए, नागपुर की ओर से शानदार गेंदबाजी करते हुए कुणाल ने 3 और आर्य तथा अथर्व ने 2-2 विकेट लिए इस तरह इस मुकाबले को नागपुर की टीम ने 95 रनों ने जीत लिया नागपुर टीम की ओर से शानदार आलराउंड प्रदर्शन करने वाले कुणाल को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया, जिन्हें चाट दी हट्टी कैफे के प्रोपराइटर संदीप आहूजा ने पुरस्कृत किया। टूर्नामेंट में आज कोरिया टीम के प्रायोजक जिला पंचायत शहडोल के सभापति जगन्नाथ शर्मा रहे जबकि नागपुर टीम के प्रायोजक दीपक मांझी (लालू) एवं पवन चीनी रहे।

मैच में अंपायरिंग आनंद त्रिपाठी और नृपेंद्र सिंह ने की, जबकि मैच का आंखों देखा हाल कलाम मोहम्मद , अजय द्विवेदी और सुधीर शर्मा ने सुनाया। मैच के स्कोरिंग का दायित्व मो. याहया एवं राहुल दुबे ने संभाला। पिच क्यूरेटिंग का जिम्मा अमृतांशु मिश्रा और साहिल ताम्रकार ने संभाला।

समर्थन मूल्य पर 20 जनवरी तक होगी धान की खरीदी

सागर। दोपहर मेट्रो

इन दिनों प्रदेश में धान की खरीदी की जा रही है. खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया है कि अभी तक 7 लाख 40 हजार 914 किसानों से 49 लाख 87 हजार 147 मीट्रिक टन धान की खरीदी न्यूनतम समर्थन मूल्य पर की जा चुकी है। उन्होंने बताया है कि गत वर्ष 43 लाख 52 हजार 905 मीट्रिक टन धान की खरीदी हुई थी। धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2369 रूपये प्रति क्विंटल है। धान की खरीदी 20 जनवरी तक की जायेगी। किसानों को 8291 करोड़ रूपये से अधिक राशि का भुगतान भी किया जा चुका है।उल्लेखनीय है कि धान विक्रय के लिये 8 लाख 59 हजार 822 किसानों ने पंजीयन कराया है। एक दिसम्बर से शुरू हुई धान खरीदी के लिये विभिन्न जिलों में 1436 केन्द्र बनाये गये हैं। क्रय की गयी धान की 79 प्रतिशत मात्रा 39 लाख 19 हजार 277 मीट्रिक टन का परिवहन किया जा चुका है।

मेट्रो एंकर भगवान जगन्नाथ स्वामी मंदिर के भूमिपूजन में बड़ी संख्या में शामिल हुए श्रद्धालु

वक्ता बोले-बनाएंगे भगवान जगन्नाथ स्वामी का भव्य मंदिर

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

साहू समाज की सेवा वाले भगवान जगन्नाथ स्वामी मंदिर के भूमिपूजन में बड़ी संख्या में समाजबंधु जुटे। सामाजिक आस्था की नगरी तीर्थ क्षेत्र देवपुर में साहू समाज के सदस्य द्वारा 40 साल पहले माता मंदिर का निर्माण करवाया था और इसके बाद वे ही यहां पर सेवा कर रहे हैं। अब इसी स्थान पर साहू समाज द्वारा भगवान जगन्नाथ स्वामी के भव्य मंदिर के निर्माण का संकल्प लिया गया है। जिसका भूमिपूजन गुरूवार को मकर संक्रांति के अवसर पर उत्साहपूर्ण माहौल में किया। आयोजन में सहभागिता के लिए सिरोंज और आसपास के ग्रामीण अंचल के साथ ही अन्य शहरों के समाजबंधु भी देवपुर में जुटे।

समाज द्वारा एक दिन पहले बुधवार से यहां पर अखंड रामायण पाठ की शुरूआत की गई थी। जिसकी पूर्णाहुति पर गुरूवार को हवन और महाआरती की गई। इसके उपरांत भगवान जगन्नाथ स्वामी और मां कर्मादेवी के जयकारों के साथ इसी परिसर में बनने वाले भव्य मंदिर का भूमिपूजन भी किया गया। इस अवसर पर आशाराम साहू, गिरजेश साहू, बालाराम साहू, पहलवान साहू, नितिन साहू, हरिनारायण साहू, सुनील साहू तथा कमलेश साहू के साथ ही बड़ी संख्या में समाज बंधु उपस्थित थे। बाबा विश्नाथ की नगरी देवपुर तीर्थ क्षेत्र में दांगी समाज, पाल गड़रिया समाज, कुशवाह समाज, बघेल समाज, धानक समाज, धाकड़ समाज, विश्वकर्मा समाज, जाटव समाज, राजपूत समाज, अहिरवार समाज, वाल्मीकि समाज, गोस्वामी समाज, सेन समाज, केवट समाज, प्रजापति समाज, नाथ समाज, नायक बंजारा समाज, मालवीय समाज, चिड़ार समाज, लोधी समाज, परिहार समाज के साथ ही अन्य समाजों के मंदिरों का निर्माण चल रहा है। कुछ मंदिरों में निर्माण पूर्ण हो चुका है। गांव में जैन समाज का प्राचीन मंदिर भी स्थित है। धरोहर का सुरक्षित करना हमारी जिम्मेदारी भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए समाज के अध्यक्ष पंकज दिनकर ने बताया कि बाबा विश्वनाथ की नगरी में स्थित मंदिर हमारी धरोहर है। इसे सुरक्षित रखकर और भव्य रूप प्रदान करना हमारी जिम्मेदारी है। देखरेख के अभाव में इस जमीन पर कब्जा होने लगा था। जिसे स्थानीय प्रशासन के सहयोग से हटाया जा रहा है। मंदिर निर्माण के लिए सिरोंज और विदिशा जिले के साथ ही प्रदेशभर का समाज आगे आ रहा है।

धरोहर को सुरक्षित करना हमारी जिम्मेदारी

भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए समाज के अध्यक्ष पंकज दिनकर ने बताया कि बाबा विश्वनाथ की नगरी में स्थित मंदिर हमारी धरोहर है। जिसे सुरक्षित रखकर और भव्य रूप प्रदान करना हमारी जिम्मेदारी है। देखरेख के अभाव में इस जमीन पर कब्जा होने लगा था। जिसे स्थानीय प्रशासन के सहयोग से हटाया जा रहा है। मंदिर निर्माण के लिए सिरोंज और विदिशा जिले के साथ ही प्रदेशभर का समाज आगे आ रहा है। सहयोग का यह क्रम आगे भी बना रहेगा और इसी से हम भव्य मंदिर का निर्माण करेंगे। इस अवसर पर अन्य वक्ताओं ने भी अपनी बात रखी। कार्यक्रम में साहू समाज के जिलाध्यक्ष मोहनलाल साहू, महिला जिलाध्यक्ष रानी साहू, बासौदा अध्यक्ष काशीराम साहू, लटेरी अध्यक्ष मुकेश साहू, कुरवाई अध्यक्ष बलराम साहू, कुरवाई साहू समाज के अध्यक्ष पवन मोदी, देवीटोरी सरपंच राजेश साहू और अंकित साहू ने भी अपनी बात रखी।

इंडिया ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट : सात्विक-चिराग और श्रीकांत बाहर

लक्ष्य सेन का शानदार प्रदर्शन जारी, क्वाफा में जगह बनाई, प्रणय ने गंवाया मुकाबला

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत के अनुभवी पुरुष एकल खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए इंडिया ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। हालांकि, सात्विकसाईराज रेंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी को हार का सामना करना पड़ा है। वहीं, किदांबी श्रीकांत और एसएच प्रणय भी पुरुष एकल वर्ग में अपने-अपने मुकाबले गंवा बैठे हैं।

2021 विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता लक्ष्य ने लचीलापन और परिपक्वता दिखाते हुए दूसरे दौर में जापान के केंटा निशिमोटो को 21-19, 21-11 से हराया और एकल वर्ग में एकमात्र भारतीय चुनौती के रूप में उभरे। उनका सामना अब चीनी ताइपे के लिन चुन-यी से होगा जिन्होंने आयरलैंड के न्हाट गुयेन को 21-16, 21-17 से हराया। लक्ष्य को शुरुआत में दिक्कत हुई जिससे निशिमोटो को नियंत्रण करने का मौका मिला और उन्होंने 16-11 की बढ़त बना ली। लेकिन 14-18 से पीछे होने के बाद सेन ने शानदार धैर्य दिखाया, रैलियों को लंबा खींचा, अच्छा बचाव किया और अपने प्रतिद्वंद्वी से गलतियां करवाईं। लगातार पांच अंक ने मैच का रुख बदल दिया जिससे लक्ष्य को पहले ही मौके पर गेम खत्म करने का मौका मिला। दूसरा गेम एकतरफा रहा क्योंकि लक्ष्य ने समझदारी से रणनीति में बदलाव किया और निशिमोटो को लय नहीं हासिल करने दी। लक्ष्य ने अपने मजबूत डिफेंस और सटीक शॉट चयन से 50 मिनट में मुकाबला जीत लिया।

महिला युगल में भी चुनौती समाप्त

खिताब के प्रबल दावेदार माने जा रहे सात्विक और चिराग की जोड़ी को दूसरे दौर में जापान के हिरोकी मिडोरिकावा और क्योहेई यामाशिता से 27-25, 21-23, 19-21 से हार का सामना करना पड़ा। वहीं, श्रीकांत ने कड़ी टक्कर दी लेकिन फ्रांस के क्रिस्टो पोपोव से 21-14, 17-21, 21-17 से हार गए। प्रणय भी अपने प्रतिद्वंद्वी को कड़ी टक्कर देने के बाद सिंगापुर के आठवें वरीय लोह कीन यू से 18-21, 21-19, 21-14 से हार गए। मालविका बंसोड़ भी महिला एकल मैच में चीन की पांचवीं वरीय हान यू से 18-21 15-21 से हार गईं। महिला युगल में भी भारत की चुनौती खत्म हो गई जिसमें त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद 84 मिनट तक चले मैराथन मैच में चीन की सातवीं वरीयता प्राप्त ली यिजिंग और लुओ जुमिन की जोड़ी से 22-20 22-24 21-23 से हार गईं।

इंडिया ओपन के आयोजकों की बढ़ीं मुश्किलें

स्टैंड में बंदर दिखने के बाद अब पक्षी के कारण रुका मैच

नई दिल्ली। इंडिया ओपन के आयोजकों की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। नई दिल्ली में टूर्नामेंट आयोजित कराने को लेकर पहले ही कई विदेशी खिलाड़ी मोर्चा खोल चुके हैं और अब पक्षी की बीट के कारण मैच में रुकावट से आयोजकों को शर्मिंदगी का सामना करना पड़ा है। दरअसल, गुरुवार को एचएस प्रणय और सिंगापुर के लोह कीन यू के बीच पुरुष एकल के दूसरे दौर के मैच के दौरान पक्षी की बीट के कारण दो बार मैच रोकना पड़ा। इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में चल रहे टूर्नामेंट के तीसरे दिन भी असामान्य रुकावटें जारी रहीं। पहले से ही टूर्नामेंट खेलने की स्थितियों, खराब हवा, बहुत अधिक ठंड और इस हफ्ते की शुरुआत में स्टैंड में एक बंदर देखे जाने से जुड़ी शिकायतों के कारण जांच के दायरे में चल रहा है। पूर्व विश्व चैंपियन लोह के खिलाफ प्रणय का मैच पहली बार तब रोका गया जब भारतीय खिलाड़ी पहले गेम में 16-14 से आगे था। निर्णायक गेम की शुरुआत में इसे फिर से रोका गया, जब प्रणय 1-0 से आगे थे। दोनों मौकों पर टूर्नामेंट के अधिकारी कोर्ट एक मुख्य टीवी कोर्ट साफ करने के लिए आए। ऐसा लग रहा था कि छत से पक्षी की बीट गिरी थी।

दर्शक और कमेंटेटर रह गए हैरान

शुरुआत में इन रुकावटों से दर्शक और कमेंटेटर हैरान रह गए क्योंकि चेयर अंपायर ने अचानक अपना हाथ उठाकर खेल रोक दिया। अधिकारियों ने जल्द ही प्रभावित जगह को साफ करने के लिए टिशू और वाइप्स का इस्तेमाल किया। ब्रेक के दौरान जब प्रणॉय तौलिया लेने गए तो लोह को नेट के पास जाने से पहले छत की ओर देखते हुए देखा गया। दूसरी

फरहान को भारतीय खिलाड़ियों की तारीफ करना पड़ा भारी

पाक के पूर्व खिलाड़ियों ने उड़ाया मजाक, पूछा होश में नहीं थे क्या

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान काफी सुर्खियों में है। फरहान का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में फरहान यह कहते दिख रहे हैं कि वो अहमद शहजाद को अपना आइडल मानते हैं। साथ ही वो अहमद शहजाद को सईद अनवर, वीरेंद्र सहवाग, रोहित शर्मा और सचिन तेंदुलकर से बेहतर बल्लेबाज मानते हैं। इस बयान ने पाकिस्तान क्रिकेट में हलचल मचा दी। साहिबजादा फरहान को लेकर प्रतिक्रिया देते हुए पूर्व पाकिस्तानी खिलाड़ी बासित अली और कामरान अकमल ने प्रतिक्रिया दी है। इन दोनों पूर्व खिलाड़ियों ने साहिबजादा का मजाक उड़ाया और इस बयान को बड़ी गलती बताया। बासित अली ने वीडियो को झूठा बताते हुए कहा, यह फेक है। सौ फीसदी फेक। साहिबजादा इतना पागल नहीं हुआ कि वह अहमद शहजाद को सचिन तेंदुलकर से ऊपर रख दे। मैं हाथ जोड़कर कहता हूं कि इस टॉपिक को बंद करो। वो दोनों खिलाड़ी इस बात पर विश्वास नहीं कर पा रहे थे कि साहिबजादा फरहान ऐसा जवाब कैसे दे सकते हैं। कामरान अकमल ने पहले ही वो वीडियो देख लिया था। कामरान ने हंसते हुए कहा, वह खिलाड़ी है, उसे सोचना चाहिएय अपनी पसंद बताना ठीक है, लेकिन यह कहना कि अहमद शहजाद सईद अनवर और सचिन तेंदुलकर से बेहतर है, यह सही नहीं है। अगर वह ऐसा सोचता है, तो उसे बेहतर तरीके से जवाब देना चाहिए था।

फरहान ने वनडे में अब तक नहीं किया डेब्यू

बासित ने आगे मजाक में कहा कि, जब भी मैं साहिबजादा से मिलूंगा, उससे पूछूंगा कि उस दिन होश में था या नहीं। वहीं कामरान अकमल ने कहा, हम साहिबजादा की गलती पर माफी मांगते हैं। साहिबजादा फरहान अब तक पाकिस्तान के लिए अब तक 37 टी20 इंटरनेशनल मुकाबले खेले हैं। इस दौरान उन्होंने 25.47 की औसत से 917 रन बनाए, जिसमे 8 अर्धशतक शामिल रहे। फरहान ने अब तक ओडीआई और टेस्ट में डेब्यू नहीं किया है। फरहान आईसीसी मेन्स टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए पाकिस्तान की प्रोविजनल टीम में चुने गए हैं। भारत और श्रीलंका की सहमेजबानी में खेले जाने वाले इस टूर्नामेंट के लिए सभी टीमों को 1 जनवरी तक अपनी प्रोविजनल टीम भेजनी थी। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने भी समय पर प्रोविजन स्क्वॉड का ऐलान किया। 31 जनवरी तक बदलाव बिना मंजूरी किए जा सकते हैं। उसके बाद बदलाव के लिए ICC की तकनीकी समिति की अनुमति जरूरी होती है।

मारिन भारतीय महिला हॉकी टीम से जुड़े दोबारा मिली है मुख्य कोच की जिम्मेदारी

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय महिला हॉकी टीम के कोच शोर्ड मारिन एक बार फिर से राष्ट्रीय टीम के साथ मुख्य कोच के तौर पर जुड़ गए हैं। मारिन का इस टीम के साथ 2017 से 2021 तक का कार्यकाल सफल रहा था। मारिन को करीब दो सप्ताह पहले दोबारा इस पद पर नियुक्त किया गया था। टोक्यो ओलंपिक में टीम को ऐतिहासिक चौथा स्थान दिलाने के बाद यह उनकी भारतीय महिला टीम के कोचिंग प्रणाली में उनकी वापसी है। हॉकी इंडिया ने मारिन की तस्वीर साझा कीं जिसमें उनका स्वागत देश के शीर्ष खेल अधिकारियों और महासंघ के प्रशासकों द्वारा किया गया। मारिन ने भी इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचने की एक तस्वीर पोस्ट करते हुए लिखा, नई ऊर्जा के साथ भारत वापस। इस 51 साल के कोच को अपने काम में मटियास विला का सहयोग मिलेगा, जो टीम के एनालिटिकल (विश्लेषणात्मक) कोच होंगे।

विश्व कप क्वालिफायर होंगे पहली बड़ी चुनौती

मुख्य कोच के रूप में मारिन की पहली बड़ी चुनौती आठ से 14 मार्च के बीच हैदराबाद में होने वाले महिला विश्व कप क्वालिफायर होंगे। मारिन ने हरेंद्र सिंह की जगह ली है। हरेंद्र ने पिछले साल दिसंबर में टीम के खराब प्रदर्शन के बाद इस्तीफा दे दिया था। नीदरलैंड के इस कोच के शुरुआती कार्यकाल में भारतीय महिला हॉकी टीम को 2017 में वर्ल्ड लीग के सेमीफाइनल, 2018 में महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी और जकार्ता एशियाई खेलों में टीम ने रजत पदक जीता था। इसके बाद भारत ने एफआईएस ओलंपिक क्वालिफायर में अमेरिका को 6-5 से हराकर टोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालिफाई किया था।

इंग्लैंड टीम की टी20 वर्ल्ड कप तैयारियों पर पड़ा असर

रशीद-रेहान को अब तक भारत का वीजा नहीं?

लंदन, एजेंसी

लंदन से आई एक रिपोर्ट के मुताबिक, भारत सरकार ने अभी तक इंग्लैंड के स्पिनरों आदिल रशीद और रेहान अहमद के वीजा जारी नहीं किए हैं, जिससे इंग्लैंड की टी20 वर्ल्ड कप तैयारियों पर असर पड़ा है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि दोनों खिलाड़ी बाकी स्क्वॉड के साथ इस सप्ताहांत श्रीलंका के दौरे पर नहीं जा पाएंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, देरी का असर इसलिए भी अहम है क्योंकि दोनों खिलाड़ियों की पृष्ठभूमि पाकिस्तानी मूल की है। फिलहाल आदिल रशीद दक्षिण अफ्रीका की एसए20 लीग में खेल रहे हैं, जबकि रेहान अहमद बिग बैश लीग के लिए ऑस्ट्रेलिया में हैं। योजना यह है कि वीजा क्लीयरेंस मिलते ही दोनों वहीं से सीधे रवाना हो सकें। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) को आश्वासन दिया गया है कि वीजा आवेदन पर कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन जारी होने के समय पर स्पष्टता नहीं है। ईसीबी ने इस प्रक्रिया को तेज करने के लिए यूके सरकार से भी मदद मांगी है। रिपोर्ट में कहा गया कि बोर्ड को विश्वास है कि मसला हल हो जाएगा, लेकिन समय फिक्स नहीं है।

इंग्लैंड के पास सिर्फ एक स्पेशलिस्ट स्पिनर

रिपोर्ट के मुताबिक ईसीबी को कहा गया, आवेदनों पर कोई आपत्ति नहीं है, और हम प्रक्रिया को तेज करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। वीजा क्लीयरेंस में देरी के चलते इंग्लैंड के पास अभी सिर्फ लियम डॉसन एकमात्र स्पेशलिस्ट स्पिनर हैं। ऐसे में विल जैक्स और जैकब बेथेल को भी उम्मीद से ज्यादा ओवर फेंकने पड़ सकते हैं। इंग्लैंड 22 जनवरी से कोलंबो में श्रीलंका के खिलाफ पहला वनडे खेलेगा। टी20 वर्ल्ड कप में इंग्लैंड की शुरुआत आठ फरवरी को मुंबई में नेपाल के खिलाफ है। अब यह देखना होगा कि वीजा क्लीयरेंस समय पर होता है या नहीं।

बांग्लादेश-भारत विवाद ने बढ़ाई उलझन

इसी बीच, वर्ल्ड कप के दौरान इंग्लैंड बनाम बांग्लादेश मैच कोलकाता में होना है, लेकिन बांग्लादेश ने भारत आने से इनकार करते हुए निष्पक्ष स्थल की मांग की है। बांग्लादेश बोर्ड ने कहा है, हम भारत यात्रा नहीं करेंगे, जब तक मैच को तटस्थ स्थल पर शिफ्ट नहीं किया जाता। आईसीसी ने पहले ही साफ कर दिया है कि शेड्यूल में कोई बदलाव नहीं होगा और बांग्लादेश को अपने मुकाबले भारत में ही खेलने होंगे। विवाद तब शुरू हुआ जब बीसीसीआई ने आईपीएल टीम कोलकाता नाइट राइडर्स को तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को रिलीज करने का निर्देश दिया, जिसके बाद बांग्लादेश बोर्ड ने राजनीतिक कारणों का हवाला देते हुए आपत्ति जताई।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

अनुपम खेर ने शेयर कीं खास तस्वीरें

खोसला का घोसला-2 के सीक्वल से पहले शोले के डायरेक्टर संग जमी महफिल

अभिनेता अनुपम खेर इन दिनों बहुप्रतिक्षित फिल्म खोसला का घोसला-2 के सीक्वल की शूटिंग में व्यस्त चल रहे हैं। हाल ही में उन्होंने फिल्म की टीम के साथ मुलाकात की। इस मुलाकात की जानकारी उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए दी।

एक्टर अनुपम खेर ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ तस्वीरें शेयर कीं। इन तस्वीरों में अभिनेता और उनकी टीम निर्देशक रमेश सिप्पी के साथ नजर आ रहे हैं। पोस्ट के साथ अभिनेता ने लिखा, ÷कल रात मैं और मेरी टीम को सिनेमा के महान व्यक्ति और मेरे पसंदीदा लोगों में से एक रमेश सिप्पी के साथ अच्छा समय बिताने का मौका मिला।÷

अभिनेता ने बताया कि निर्देशक ने उन्हें और उनकी पूरी टीम को फिल्में जैसे शोले, अंदाज और सीता और गीता से जुड़ी कई रोचक और दिलचस्प कहानियां सुनाईं। उन्होंने कहा, सिप्पी साहब ने हमारे साथ पहली बार वर्ड बिल्डिंग गेम भी खेला और खेलते-खेलते लगभग चैंपियन ही बन गए। सर, आपके प्यार, अपनेपन और उदारता के लिए दिल से धन्यवाद।

फैंस को पंसद आई अभिनेता की पोस्ट

अभिनेता अनुपम खेर की पोस्ट फैंस को काफी पसंद आ रही है। वे फिल्म के साथ इस मुलाकात को लेकर भी उत्सुकता जाहिर कर रहे हैं। वहीं, फैंस भी कल्ट क्लासिक फिल्म खोसला का घोसला के सीक्वल का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। फिल्म खोसला का घोसला-2 अनुपम खेर के करियर की 550वीं फिल्म है। फिल्म की शूटिंग दिल्ली एनसीआर क्षेत्र में चल रही है और टीम के पुराने कलाकारों की वापसी के साथ कुछ नए कलाकार भी वापस लौट रहे हैं।

बॉर्डर 2 की रिलीज से पहले निर्देशक अनुराग सिंह ने शेयर किया इमोशनल नोट, लिखा

हर वर्दी के पीछे छिपी होती है देश की सेवा साहस और स्वार्थ से परे फैसलों की कहानी

बॉर्डर 2 के निर्देशक अनुराग सिंह ने आज फिल्म की रिलीज से पहले सोशल मीडिया हैंडल पर एक इमोशनल पोस्ट शेयर किया है। इस पोस्ट के जरिए अनुराग ने भारत देश के प्रति सैनिकों की सेवा और साहस की कहानी बताई है। अनुराग सिंह ने इंस्टाग्राम पर बॉर्डर 2 से एक खास तस्वीर शेयर की हैं। इस तस्वीर में दो सैनिक तिरंगे को निहारते नजर आ रहे हैं। इस पोस्ट के साथ अनुराग ने कैप्शन में सैनिकों के साहस और देश के प्रति उनकी सेवा को लेकर लिखा, हर वर्दी के पीछे देश की सेवा, साहस और स्वार्थ से कहीं ऊपर देश के फैसलों की कहानी छिपी होती है। आगे अनुराग ने लिखा, यह दिन उस महत्व को याद करने और सम्मान देने का दिन है। बॉर्डर 2 1997 की फिल्म बॉर्डर का सीक्वल है, जो 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध की कहानी पर आधारित एक एपिक वॉर फिल्म है। इस फिल्म के सह-लेखक और निर्देशक अनुराग सिंह हैं। फिल्म

बॉर्डर 2, 23 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है। इस फिल्म में सनी देओल, वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ, और अहान शेट्टी जैसे कलाकार मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म भारतीय सेना के शौर्य और देशभक्ति को दर्शाती है। अनुराग सिंह को देशभक्ति और भावनात्मक कहानियों को परदे पर उतारने के लिए जाना जाता है। बॉर्डर 2 के निर्देशक अनुराग सिंह ने केसरी और जुग जुग जियो जैसी सफल फिल्मों का निर्देशन किया है। इसके अलावा अनुराग ने पंजाबी सिनेमा में पंजाब 1984 और जट्ट एंड जूलियट सीरीज जैसी हिट फिल्में दी हैं।

मेट्रो बाजार

सेबी की बड़ी तैयारी, अनलिस्टेड शेयर बाजार में आएगा बदलाव

मुंबई। भारत के अनलिस्टेड शेयर बाजार में बड़ा बदलाव आ सकता है, क्योंकि बाजार नियामक सेबी इस बाजार को रेगुलट करने पर विचार कर रहा है। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के चेयरपर्सन तुहिन कांत पांडे ने गुरुवार को कहा कि नियामक विचार कर रहा है कि उसे अनलिस्टेड स्टॉक मार्केट को रेगुलेट करना चाहिए या नहीं, जो कि फिलहाल सेबी के कार्यक्षेत्र से बाहर है। देश की आर्थिक राजधानी में एसोसिएशन ऑफ इन्वेस्टमेंट बैंकर्स ऑफ इंडिया के 2025-26 के वार्षिक सम्मेलन के दौरान बोलते हुए, सेबी प्रमुख ने कहा कि इस मुद्दे पर कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय के साथ चर्चा की जा रही है। उन्होंने विस्तार से बताया,सबसे पहले सेबी को यह जांच करनी होगी कि क्या उसके पास उन कंपनियों को विनियमित करने का कानूनी अधिकार है जो स्टॉक एक्सचेंजों पर सूचीबद्ध नहीं हैं और इस तरह का विनियमन कितनी हद तक विस्तारित हो सकता है। अनलिस्टेड स्टॉक मार्केट में वह कंपनियां शामिल होती हैं, जो कि फिलहाल स्टॉक एक्सचेंज पर सूचीबद्ध नहीं है। मौजूदा समय में ज्यादातर निवेशक अनलिस्टेड शेयरों को प्राइवेट डील, कर्मचारी स्टॉक ऑप्शन प्लान और अन्य बिचौलियों से खरीदते हैं। यह कंपनियां सूचीबद्ध नहीं हैं, इसलिए उन्हें सख्त और निरंतर प्रकटीकरण नियमों का पालन करने की आवश्यकता नहीं है, जिसके कारण निवेशकों को कंपनी की वित्तीय स्थिति और व्यावसायिक जोखिमों के बारे में सीमित या देरी से जानकारी ही मिल पाती है।

भारत का व्यापारिक निर्यात दिसंबर में बढ़कर 38.51 अरब डॉलर रहा

नई दिल्ली। भारत का व्यापारिक निर्यात दिसंबर में बढ़कर 38.51 अरब डॉलर हो गया है, जो कि नवंबर में 38.13 अरब डॉलर था। यह जानकारी वाणिज्य मंत्रालय की ओर से दी गई। देश के व्यापारिक निर्यात में ऐसे समय पर इजाफा हुआ है, जब दुनिया अमेरिकी टैरिफ के कारण अस्थिरता का सामना कर रही है। वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि देश का दिसंबर का सर्विसेज निर्यात 35.50 अरब डॉलर और आयात 17.38 अरब डॉलर रहा है, जिससे सर्विसेज ट्रेड सरप्लस 18.12 अरब डॉलर रहा है। दिसंबर में व्यापारिक आयात बढ़कर 63.55 अरब डॉलर हो गया है जो कि पहले 62.66 अरब डॉलर था। इससे देश का व्यापारिक घाटा बढ़कर 25.04 अरब डॉलर हो गया है। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने कहा कि चालू वित्त वर्ष के पहले नौ महीनों में भारत के कुल निर्यात में 4.33 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और वित्त वर्ष 2026 में कुल निर्यात 850 अरब डॉलर के आंकड़े को पार कर सकता है। इसके अतिरिक्त, वित्त वर्ष 2026 के अप्रैल-दिसंबर के दौरान भारत का अमेरिका को निर्यात पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 9.8 प्रतिशत बढ़ा है। सरकार ने कहा कि निर्यात में विविधता लाने की रणनीति के तहत, भारत मित्र देशों के साथ नई व्यापारिक साझेदारियां बना रहा है, जबकि अमेरिका के साथ टैरिफ गतिरोध को सुलझाने के लिए बातचीत भी जारी है। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को ब्रुसेल्स में यूरोपीय संघ के साथ व्यापार वार्ता और निर्यात प्रोत्साहन मिशन की शुरुआत को अपने मंत्रालय द्वारा पिछले 10 दिनों में किए गए प्रमुख कार्यों में शामिल किया।

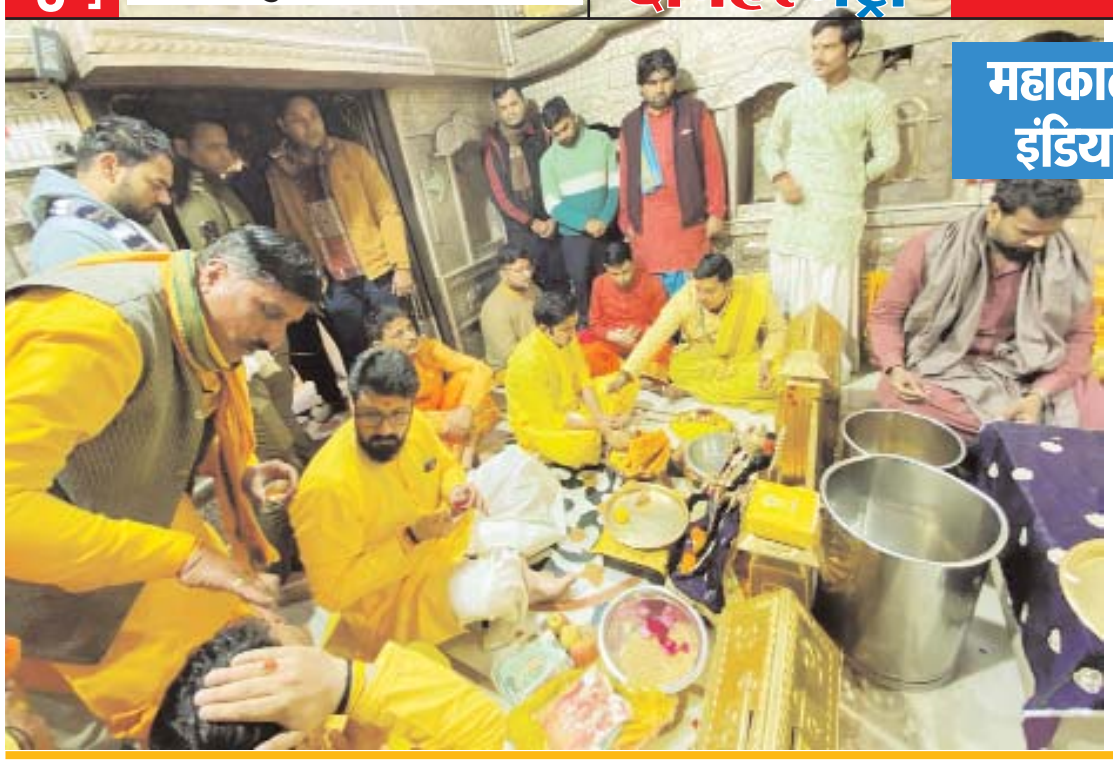

महाकाल की शरण में पहुंचे टीम इंडिया के कोच गौतम गंभीर

उज्जैन। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर आज तड़के बाबा महाकाल के दरबार में नतमस्तक हुए। गंभीर ने उज्जैन के विश्व प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग महाकालेश्वर मंदिर में होने वाली दिव्य भस्मारती में शिरकत की और भगवान शिव का आशीर्वाद लिया।

बगलामुखी धाम में की विशेष पूजा

आगर मालवा भारत के पूर्व अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट खिलाड़ी एवं वर्तमान में टीम इंडिया से जुड़े गौतम गंभीर नलखेड़ा स्थित विश्व प्रसिद्ध माँ बगलामुखी मंदिर पहुँचे। यहाँ उन्होंने विधिवत दर्शन कर विशेष पूजा-अर्चना की। पूजा के दौरान उन्होंने देश की सुख-शांति, समृद्धि एवं सफलता की कामना की। इस अवसर पर मंदिर समिति के पदाधिकारी एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

बांग्लादेश में फिर हुई कायराना करतूत, हिंदू के घर में लगाई आग

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही है। यहां हिंदुओं को टारगेट कर उनकी हत्या की जा रही है, उनके घरों को जलाया जा रहा है लेकिन अंतिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस बेखबर हैं। बांग्लादेश में एक बार फिर हिंदू पर हमला हुआ है। घटना सिलहट जिले के गोवाईघाट के नंदिरगांव संघ के बहोर गांव की है। यहां एक हिंदू परिवार के घर पर इस्लामिक कट्टरपंथियों ने हमला किया है। कट्टरपंथियों ने बीरेंद्र कुमार डे के घर पर आग लगा दी।

बांग्लादेश में इस्लामिक कट्टरपंथियों की करतूत का वीडियो भी सामने आया है। वीडियो में देखा जा सकता है कि आग लगने के बाद पूरे घर में तेजी से फैल जाती है। परिवार के लोग जान बचाने के लिए घर से बाहर निकलने की कोशिश कर रहे हैं। आग लगने की वजह से घर पूरी तर खाक हो गया।

न्यूज विंडो

क्रॉकरी फैक्ट्री की लिफ्ट टूटकर गिरी, दो मजदूरों की दर्दनाक मौत

दिल्ली। समयपुर बादली इलाके में क्रॉकरी बनाने वाली फैक्ट्री की लिफ्ट टूटकर गिर गई, जिससे दो श्रमिकों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान 32 वर्षीय हरिओम और 45 वर्षीय संजय मिश्रा के रूप में हुई है। घटना के बाद पुलिस ने फैक्ट्री परिसर को सील कर दिया है, वहीं, लापरवाही से मौत का मामला दर्ज कर विस्तृत जांच शुरू कर दी है। लिफ्ट टूटने के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए तकनीकी विशेषज्ञों की मदद ली जा रही है।मृतक हरिओम समयपुर बादली की गली नंबर नौ में ही रहते थे, जबकि संजय मिश्रा अपने परिवार के साथ सिरसपुर हरिजन बस्ती में निवास करते थे। पुलिस मालिक और प्रबंधन से पूछताछ कर रही है। यह पता लगाया जा रहा है कि लिफ्ट का रखरखाव सही तरीके से हो रहा था या नहीं। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।बाहरी उत्तरी जिला पुलिस उपायुक्त हरेश्वर वी स्वामी ने बताया कि 14 जनवरी की शाम करीब 5:20 बजे पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना मिली थी कि समयपुर बादली स्थित एक फैक्ट्री में लिफ्ट टूटकर गिर गई है और उसमें दो श्रमिक गंभीर रूप से घायल हो गए हैं।

बस और ट्रैक्टर की भीषण टक्कर, हादसे में 12 से ज्यादा लोग घायल

अमृतसर। पठानकोट अमृतसर हाईवे पर तेज रफ्तार बस जयंतीपुर इलाके के पास आगे जा रही भूसे से भरी ट्रैक्टर ट्राली से जा टकराई हादसा देर रात घटित हुआ।हादसे के बाद अफरा-तफरी मच गई, बस में बैठे यात्रियों की चिख-पुकार सुनकर आसपास के लोग आए और घायला यात्रियों की मदद की।हादसे में दर्जन पर लोगों के जख्मी होने की सूचना है। घटना के बारे में पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। घटनास्थल पर क्रेन मंगवाकर टीम ने क्षतिग्रस्त वाहनों को किनारे करवाया और ट्रैफिक सुचारू किया। मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि सफेद रंग की बस यात्रियों से भरी हुई पठानकोट से अमृतसर की तरफ जा रही थी। इस दौरान रास्ते में काफी धूंध थी।बस के आगे भूसे से भरी हुई ट्रैक्टर ट्रॉली भी जा रही थी। बस चालक को आगे का दृश्य दिखाई नहीं दिया और तेज रफ्तार बस पीछे से भूसे से भरी ट्रॉली से जा टकराई। हादसे को लेकर सब-इंस्पेक्टर हरपाल सिंह ने बताया कि घायलों को अस्पताल में भर्ती करवाय दिया है, गनीमत है कि यात्रियों को मामूली चोट आई।

बारामूला में भूकंप के झटके से कांपी धरती, दहशत में आए लोग

जम्मू । जम्मू और कश्मीर के बारामूला में भूकंप के झटके महसूस किए गए। जानकारी के मुताबिक 3।0 की तीव्रता भूकंप के झटके महसूस किए गए, जिसकी गहराई 5 किलोमीटर से भी कम थी और भूकंप का केंद्र श्रीनगर से 19 द्मद्व ड्ढद्दद्ब में लैटीट्यूड 34।13 और लॉन्गीट्यूड 74।59 पर था। गहराई कम होने की वजह से झटके तेज महसूस हुए। अधिकारियों ने भूकंप की घटना को कन्फर्म किया और बताया कि ज्यादा तेज भूकंप नहीं था और इससे किसी भी प्रकार के नुकसान या किसी के हताहत होने की कोई खबर अबतक नहीं मिली है।जानकारी के मुताबिक श्रीनगर और आस-पास के इलाकों में रहने वालों ने भूकंप का झटका महसूस किया, जिसके बाद लोकल अधिकारियों ने स्टैंडर्ड सेफ्टी एडवाइज़री जारी की और लोगों को सलाह दी गई कि घबराएं नहीं। जिला प्रशासन और आपदा प्रबंधन टीम ने लोगों से शांत रहने और जरूरी सावधानियां बरतने की अपील की है। स्थानीय लोगों ने बताया कि भूकंप आने पर लोग दहशत में आ गए और कई लोग घरों से बाहर निकल आए। लोगों ने भी बताया कि किसी भी तरह की कोई जान-माल की हानि की खबर नहीं है। प्रशासन ने तुरंत स्थिति की समीक्षा की और पुष्टि की कि भूकंप हल्का था, इसलिए किसी बड़े नुकसान की आशंका नहीं है।

ईरान ने दी ट्रंप को जान से मारने की धमकी

इस बार गोली सिर के आर-पार होगी

तेहरान, एजेंसी

ईरान में हो रहे प्रदर्शन में अमेरिका के हस्तक्षेप के कारण दोनों देशों में जुबानी जंग अब बेहद खतरनाक मोड़ पर पहुंच गई है। ट्रंप की धमकी का कोई असर ईरान पर नहीं पड़ रहा है। उल्टे ईरान ने ट्रंप को भी जान से मारने की धमकी दी है।

दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा ईरान के नेतृत्व के खिलाफ संभावित सैन्य कार्रवाई की चेतावनी के बाद ईरान की सरकारी टेलीविजन पर एक फुटेज प्रसारित किया गया, जिसमें ट्रंप को जान से मारने की धमकी दी गई है। इस फुटेज में पेंसिल्वेनिया में ट्रंप पर हुए जानलेवा हमले की तस्वीर दिखाते हुए फारसी भाषा में लिखा गया है कि 'इस बार निशाना नहीं चूकेगा'।

धमकी वाला पोस्टर

ईरान की सरकारी टेलीविजन पर प्रसारित फुटेज में प्रदर्शन के दौरान मारे गए ईरानी सुरक्षाकर्मियों के लिए आयोजित एक समारोह के दौरान एक युवक ईरान को धमकी देने वाले ट्रंप का पोस्टर लिए दिखाई दे रहा है, जो 2024 में पेंसिल्वेनिया के बटलर में एक चुनावी रैली में उन पर हुए जानलेवा हमले का जिक्र कर रहा है। इस हमले के दौरान ट्रंप बाल-बाल बचे थे। इसलिए पोस्टर में यह भी इशारा किया गया है कि पिछली बार की तरह इस बार निशाना चुकने वाला नहीं है।

दुनिया खतरनाक मोड़ पर: पुतिन

मॉस्को : रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने ग्रैंड क्रेमलिन पैलेस के सेंट अलेक्जेंडर हॉल में नए विदेशी राजदूतों के प्रमाण-पत्र प्राप्त करने के समारोह में कड़ा संदेश दिया। उन्होंने कहा कि वैश्विक स्थिति तेजी से बिगड़ रही है और दुनिया बहुत अधिक खतरनाक मोड़ पर पहुंच गई है। पुतिन का यह संदेश वेनेजुएला पर अमेरिकी कार्रवाई और ईरान को लगातार दी जा रही ट्रंप की धमकी के बाद आया है। हालांकि उन्होंने अमेरिका या ट्रंप का नाम नहीं लिया। मगर संकेतों में टारगेट पर यही दोनों रहे।

खुशखबरी: जांच को पहुंचेगी भू-वैज्ञानिकों की टीम

सोने के बाद अब कटनी में मिला कोयले का अकूत भंडार

कटनी, एजेंसी

प्रदेश का कटनी जिला पहले ही खनिज संपदा के लिए जाना जाता है, लेकिन अब यहां से एक और बड़ी खबर सामने आई है। सोने की मौजूदगी के बाद अब जिले में कोयले का बड़ा भंडार मिलने की बात सामने आई है। जानकारी के मुताबिक बड़वारा जनपद की लोहरवारा ग्राम पंचायत के सलैया केवट इलाके में उमड़ार नदी के किनारे भारी मात्रा में कोयला निकल रहा है।

जैसे ही रेत खदान के घाट से कोयला निकलने की खबर फैली, वैसे ही सुबह से ही ग्रामीणों का हुजूम उमड़ पड़ा। हालात ऐसे रहे कि लोग बोरियों और ट्रैक्टर-ट्रॉलियों में भर-भरकर कोयला ले जाते नजर आए। गौर करने वाली बात यह है कि कटनी जिले में करीब 5 महीने पहले माइनिंग कॉन्क्लेव हुआ था, जिसमें मुख्यमंत्री डॉ। मोहन यादव की मौजूदगी में 56,400 करोड़ रुपये का स्न्ह्र साइन हुआ था। पहले सोने और क्रिटिकल मिनरल्स की जानकारी सामने आई और अब लिग्नाइट व थर्मल कोल का भंडार मिलने से प्रशासन और स्थानीय लोगों में उत्साह है।

अवैध उत्खनन की सूचना, प्रशासन अलर्ट

जिला खनिज अधिकारी रत्नेश दीक्षित ने बताया कि उन्हें भी सूचना मिली थी कि उमड़ार नदी से सटी रेत खदान में कोयला निकल रहा है और कुछ लोग अवैध रूप से उसका उत्खनन कर रहे हैं। इसकी जानकारी तुरंत उच्च अधिकारियों को दे दी गई है।रत्नेश दीक्षित के अनुसार जल्द ही कटनी खनिज विभाग और Geological Survey of India (GSI) की टीम मौके पर पहुंचेगी। वहां सैंपलिंग और सर्वे किया जाएगा, जिससे यह पता चल सके कि कोयले का भंडार कितने बड़े क्षेत्र में फैला है और उसकी गुणवत्ता कैसी है। अगर रिपोर्ट सकारात्मक रही, तो कटनी में नई कोल खदान खुलने की पूरी संभावना है। इससे न सिर्फ राज्य को बड़ा राजस्व मिलेगा, बल्कि स्थानीय लोगों को भी रोजगार के नए अवसर मिल सकते हैं।

मेहुल चोकसी का बेटा रोहन भी था मनी लॉन्ड्रिंग में एक्टिव, ED का बड़ा खुलासा

नई दिल्ली। पंजाब नेशनल बैंक ऋण धोखाधड़ी मामले में ईडी ने भगोड़े हीरा कारोबारी मेहुल चोकसी के खिलाफ चल रही मनी लॉन्ड्रिंग जांच के 8 साल बाद ईडी ने पहली बार औपचारिक रूप से दावा किया है कि उसका बेटा भी इसमें एक्टिव था। ईडी की ओर से यह दावा दिल्ली स्थित अपीलीय न्यायाधिकरण फॉर फॉरफिटेड प्रॉपर्टी के समक्ष अपनी लिखित दलीलों में गया है।

दरअसल, मेहुल चोकसी के बेटे रोहन चोकसी की ओर से मुंबई की एक संपत्ति की कुर्की को चुनौती दी गई थी। जिसके जवाब में ईडी की कानूनी टीम ने ट्रिब्यूनल में दावा किया कि रोहन चोकसी के नाम मुंबई के वॉकश्वर रोड स्थित एक फ्लैट को वर्ष 2013 में उनके पिता मेहुल चोकसी ने जानबूझकर ट्रांसफर किया था।

पुंछ और सांबा इलाके में दिखे दो पाकिस्तानी ड्रोन, एक हफ्ते में हुई तीसरी घटना

जम्मू । जम्मू सेक्टर में ड्रोन देखे जाने की दो घटनाएं सामने आईं। रक्षा सूत्रों के अनुसार, भारतीय सेना ने मानवरहित हवाई प्रणालियों (यूएएस) के खिलाफ कार्रवाई की। बता दें कि एक हफ्ते में ड्रोन दिखाई देने की ये तीसरी घटना सामने आई है और एक बार फिर पाकिस्तान की नापाक हरकत सामने आई है। पुंछ जिले में लाइन ऑफ कंट्रोल के संवेदनशील इलाकों और सांबा में भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा पर पाकिस्तानी ड्रोन देखे गए, जिसके बाद भारतीय सुरक्षा बलों ने तुरंत कार्रवाई की। भारतीय सेना के आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि पुंछ में, दिगवार सेक्टर के ऊपर एक ड्रोन कई मिनट तक मंडराता रहा, और फिर इसके बाद सांबा जिले में, IB के पास एक संदिग्ध ड्रोन की हलचल देखी गई, जिसके तुरंत बाद रामगढ़ सेक्टर में भी एक और ड्रोन देखा गया।

हिंदू युवती का वीडियो वायरल करने पर आक्रोश

लोगों ने हाईवे जाम कर आरोपी के घर पर किया पथराव

सुमेरपुर (हमीरपुर)। हिंदू युवती से दुष्कर्म के बाद उसका अश्लील वीडियो इंटरनेट मीडिया पर वायरल करने से कस्बा सुमेरपुर में तनाव की स्थिति पैदा हो गई। देखते ही देखते सड़कों पर लोग एकत्र हो गए और बाजार बंद कर आक्रोशित लोगों ने थाना सुमेरपुर का घेराव कर दिया और पुलिस प्रशासन मुर्दाबाद के नारे लगाने शुरू कर दिए। पुलिस से नोकझोक के बाद लोगों ने कानपुर सागर हाईवे पर जाम लगा दिया। जानकारी के अनुसार कस्बे में कमलेश तिराहा निवासी लकड़ी कारोबारी मौलाना खान के बेटे अफान खान ने एक हिंदू युवती को अपना धर्म छिपाकर प्रेम जाल में फसांया और दुष्कर्म के बाद उसका अश्लील वीडियो बना लिया। इसके बाद

युवती पर धर्मातंरण का दबाव बनाने लगा।

वहीं युवती के भाई ने कहा कि यदि उसकी बहन को न्याय नहीं मिला तो वह थाने में ही आत्महत्या कर लेगा। घटना से आक्रोशित लोगों ने आरोपित मुस्लिम युवक के घर के बाहर पथराव भी किया।जिसमें घर के बाहर खड़े वाहन और शीशे की रेलिंग क्षतिग्रस्त हो गई।

पीएम पर नई किताब को कर्नाटक के राज्यपाल ने सराहा

बेंगलुरु । कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की कार्यशैली और सफलताओं पर प्रकाशित नई काफ़ी टेबल बुक ' रिवॉल्यूशनरी राज ' – की सराहना करते हुए कहा है कि ऐसी पुस्तक संग्रहणीय और युवा पीढ़ी के लिए प्रेरक हैं । सामान्य पाठकों के अलावा यूनिवर्सिटीज और अधिकाधिक लाइब्रेरीज तक पहुंचना चाहिए । यह विचार राज्यपाल ने देश के वरिष्ठ संपादक लेखक आलोक मेहता से पुस्तक ग्रहण करते हुए चर्चा के दौरान व्यक्त किए । शुभी पब्लिकेशंस द्वारा प्रकाशित इस कॉफी टेबल बुक की महत्वपूर्ण भूमिका केंद्रीय गृह मंत्री और पीएम मोदी की राजनीतिक सफलताओं के सबसे पुराने सहयोगी अमित शाह ने लिखी है । राज्यपाल ने पुस्तक में लिखी टिप्पणियों को अपने अनुभवों से जोड़कर महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि समाज कल्याण और आर्थिक प्रगति के लिए मोदीजी निरंतर कार्यक्रमों को क्रियान्वित करवाते हैं । राज्यपाल बनने से पहले श्री गहलोत पांच साल केंद्रीय सामाजिक कल्याण मंत्री भी रहे हैं।

लेखक आलोक मेहता ने भेंट की पुस्तक

संदिग्ध खाद्य पदार्थ मिलने से भिड़े दो समुदाय, इंटरनेट बंद, धारा 163 लागू

ओडिशा के सुंदरगढ़ शहर में एक घर में संदिग्ध खाद्य पदार्थ मिलने के बाद उत्पन्न तनाव को देखते हुए जिला प्रशासन ने कड़ा कदम उठाया है। शाम 6 बजे से पूरे शहर में 24 घंटे के लिए इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी गई हैं। इसके साथ ही कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से धारा 163 भी लागू कर दी गई है।सुंदरगढ़ के जिलापाल शुभंकर मोहपात्रा ने कहा, ' मुख्य मार्केट में जो हिंसा हुई थी वह अभी शांत है और हम इलाके में निगरानी बनाए हुए हैं। इलाके में पुलिस बल व्यापक मात्रा में तैनात है और बीएनएस की धारा 163 लागू है। इसके बाद हम पूरे सुंदरगढ़ शहर में भी बीएनएस की धारा 163 लागू करने की तैयारी कर रहे हैं ताकि स्थिति हमारे नियंत्रण में रहे। शाम 6 बजे से 24 घंटे के लिए इंटरनेट सेवाओं पर रोक लगा दी गई है। हम आम जनता से अपील कर रहे हैं कि किसी भी तरीके की अफवाहों से बचें।

मेट्रो एंकर एनएचएम और मेदांता फाउंडेशन के बीच हुआ एमओयू, 8 लाख से कम वार्षिक आय वालों को मिलेगा लाभ

30 लाख में होने वाला बोन मैरो ट्रांसप्लांट अब प्रदेश में होगा फ्री

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में थैलेसीमिया बीमारी का स्थायी इलाज यानी 'बोन मैरो ट्रांसप्लांट' अब पूरी तरह निशुल्क होगा। इसके लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) मप्र और मेदांता फाउंडेशन (नई दिल्ली) के बीच एमओयू हुआ है। इसका लाभ उन परिवारों को मिलेगा जिनकी वार्षिक आय आठ लाख रुपये से कम है। यह पहल 'कोल इंडिया थैलेसीमिया बाल सेवा योजना' के तहत की गई है। समझौते के मुताबिक पहले चरण में इंदौर, उज्जैन और देवास जिलों के मरीजों को शामिल किया जा रहा है।

मरीज के इलाज के साथ उनके आने-जाने और दिल्ली में रुकने का खर्च भी फाउंडेशन वहन करेगा। बता दें कि निजी अस्पतालों में इसका खर्च 15 से लेकर 30 लाख रुपये तक आता है। विशेषज्ञों का कहना है कि थैलेसीमिया एक आनुवांशिक बीमारी है। अक्सर माता-पिता को यह पता नहीं होता कि मुफ्त इलाज की सुविधा उपलब्ध है। अब सरकारी प्रयास से न केवल आर्थिक बोझ कम होगा, बल्कि हजारों बच्चों की जान भी बचाई जा सकेगी।

प्रदेश में दो हजार से ज्यादा मरीज

मध्य प्रदेश में वर्तमान में थैलेसीमिया के दो हजार से अधिक रजिस्टर्ड मरीज हैं, जिनमें से करीब 1800 बच्चे नियमित रूप से खून चढ़ाने (ब्लड ट्रांसफ्यूजन) पर निर्भर हैं। डॉक्टरों के मुताबिक बार-बार खून चढ़ाना स्थायी इलाज नहीं है और इससे शरीर में आयरन की अधिकता हो जाती है, जो लिवर और हार्ट को डैमेज करती है।इसका एकमात्र स्थायी इलाज बोन मैरो ट्रांसप्लांट है। इलाज की प्रक्रिया में सबसे अहम चरण 'एचएलए मैचिंग' है। इसके लिए मरीज के साथ-साथ उसके सगे भाई-बहनों का भी टेस्ट किया जाएगा। मैचिंग सफल होने पर मरीज को ट्रांसप्लांट के लिए दिल्ली भेजा जाएगा। सरकार डेटा जुटा रही है, ताकि यह पता चले कितने बच्चों को ट्रांसप्लांट की जरूरत है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया** **स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564